आरोग्य
सुपर स्पेशलिटी
MODERN
COMPLETE CURE EASYSAFE, FAST & COST EFFECTIVE
HOMEOPATHY
TM



डॉ. सेम्युल हैनीमेन

Dare to know or
Dare to be wish
-Aude Sapere

असम्भव से सम्भव का प्रयास...



Dr. Arpit Chopra Jain

M.D Homoeopathy

Critical and Surgical Disease Specialist

Innovative Idea's, Experience and Evidence Based treatment

Founder of Aarogya Super Speciality Modern Homeopathic

Vision of Complete Easy, Safe, Fast & Cost Effective Cure

कैंसर, किडनी, कोमा, सर्जिकल, ऑटो इम्यून जैसी जटिल लाइलाज,
असाध्य एवं असम्भव रोगों का संभव इलाज का प्रयास अब ... भारत में

किसी भी इंसान का परिचय ही उसकी असली पूंजी है।

परिचय

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉर्डन होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के संस्थापक एवं प्रचारक

प्रोफेसर डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन



प्रोफेसर डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन चिकित्सा जगत में आज एक ऐसा नाम है, जिन्होंने अपने 21 वर्षों के चिकित्सकीय अनुभव और प्रयासो के आधार पर क्लासिकल होम्योपैथी चिकित्सा को नया आयाम देते हुए **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** का संस्थापन एवं प्रचार किया किया। आपने अभी तक **कैंसर, किडनी, कोमा, अप्लास्टिक एनीमिया, अस्पताल में गंभीर रूप से भर्ती मरीजों और सर्जिकल बिमारियों** सहित, लगभग 300 बीमारियाँ के लाइलाज, हताश, निराश और ना उम्मीद रोगियों को उम्मीदों से भरा नया शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक जीवन दिया है। **इस तरह आपने स्वस्थ जीवन की परिभाषाओं को भी पूरा किया है।** जिसमें माना जाता है कि इंसान तब ही स्वस्थ है, जब वह शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रुप से पूरी तरह स्वस्थ हो।

मूलतः छत्तीसगढ़ के रहने वाले **प्रोफेसर डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** की प्रारंभिक शिक्षा छत्तीसगढ़ में ही हुई। इसके बाद होम्योपैथी की बैचलर डिग्री के लिए आप इन्दौर आ गए । यहाँ BHMS करने के बाद महाराष्ट्र के DKMM Homoeopathic Medical College, Aurangabad से आपने एमडी होम्योपैथिक की डिग्री प्राप्त की। तथा इंदौर एवं अन्य स्थानों पर कई नामी एलोपैथी चिकित्सकों के साथ अस्पतालों में अपना चिकित्सकीय योगदान दिया तथा सभी चिकित्सकीय गतिविधियों का प्रायोगिक अध्ययन एवं अनुभव भी किया।

वर्तमान में इंदौर में जंजीरवाला चौराहे पर स्थित आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथिक क्लीनिक के माध्यम से अपनी अनुभवी टीम के साथ चिकित्सकीय सेवाएं दे रहे हैं।
साथ ही **R N Kapoor Homoeopathic Medical College Indore** में छात्रों को सुपर स्पेशलिटी मार्डन होम्योपैथी पद्धति से भी परिचय करा रहें हैं। साथ ही रक्त संबंधी जटिल बिमारियाँ जैसे अप्लास्टिक अनिमिया, सिकल सेल एनिमिया आदि पर आप विशेष कार्य कर रहे हैं।

मरीज की हार को अपनी हार असंभव को संभव कर देने की जिद और जुनून रखने वाले,
प्रोफे. डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन को कई असाध्य, जटिल एवं लाइलाज बीमारियों तथा कोरोना काल में दी गई अपनी विशेष सेवाओं के लिए, राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान अभी तक प्राप्त हो चुके हैं।

पीडित मानवता की सेवा को सदैव तत्पर **डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** को उनके कई पेशेंटस भगवान की तरह मानते हैं, परंतु डॉ. चौपड़ा ईश्वर से प्राप्त मानव सेवा के इस आर्शीवाद को स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से समाज एवं देश को महत्वपूर्ण योगदान के रुप में दे रहें है।

19 चिकित्सकों के परिवार से आए डॉक्टर चोपड़ा का कहना है कि, बिना किसी साइड इफेक्ट, बिना किसी परहेज, तुरंत असर कारक और कम खर्चीली **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी** भविष्य की होम्योपैथी हो सकती है। होम्योपैथी का आविष्कार जरूर जर्मनी में हुआ है, मगर हमारी यह भारतीय क्रांतिकारी, **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा** पद्धति, विश्व के स्वास्थ्य पटल पर, भारत का नाम सुनहरे अक्षरों में अवश्य दर्ज करवाएगी। जिसके लिए हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न हौम्योपैथिक क्लीनिक

स्वर्णिम भारत की नई खोज, भविष्य की प्रामाणिक एवं प्रासंगिक होम्योपैथी

वैसे तो होम्योपैथी का जन्म लगभग 200 साल पहले जर्मनी के डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन के हाथों हुआ, पर समय के साथ-साथ इस अन्य देशों में भी अपनाया गया, जिनमें भारत भी शामिल है। परंतु कुछ समय बाद कुछ मिथकों और इसके प्लेसिबो इफेक्ट, यानी इसे फेक या भ्रामक दवा मानना, जैसी भ्रांतियों के करण इसे कुछ देशों में प्रतिबंधित कर दिया गया। मिथकों में प्रमुख रूप से, इसका धीरे असर करना, परहेज रखना, प्लेसिबो इफेक्ट, जैसी भ्रांतियां लोगों एवं वैज्ञानिको के मन में उस समय की होम्योपैथी चिकित्सा के प्रति थी। क्योंकि क्लासिकल होम्योपैथी दवाएं लक्षणों के आधार पर दी जाती थीं, इस कारण किसी भी रोगी की क्लीनिकल हिस्ट्री, जांच रिपोर्ट आदि एवीडेंशियम मटेरियल, उपलब्ध नहीं होता था, जिससे निष्कर्ष निकाला जा सके।

क्लासिकल होम्योपैथी से जुड़ी इन सभी समस्याओं, मिथकों और भ्रांतियों के निदान के लिए, डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन ने कुछ समय बाद फिफ्टी मिली सिमल पोटेंसी यानी 5000000, पचास लाख पावर तक की दवाईयों की खोज की, मगर तब तक क्लासिकल होम्योपैथी चलन में आ चुकी थी। धीरे-धीरे डॉक्यूमेंटेशन, क्लिनिकल रिपोर्ट्स और अधिक रिसर्च के अभाव में विधा कही पीछे छूट गई।



इन सब परिस्थितियों और अपने 21 वर्षीय क्लीनिकल एवं हॉस्पिटल में अपने चिकित्सकीय अनुभव से, प्रोफेसर **डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** ने इन्ही 50 लाख पावर की होम्योपैथीक दवाओं को आधार बनाकर, मदर टिन्चर एवं अन्य बायोकेमिक दवाईयों व डायलुशन की सहायता से **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** उन्नत तकनिक एवं अपने अनुभव के आधार पर आपने कैंसर, किडनी फेलियर, सर्जिकल बीमारियां, अप्लास्टिक एनीमिया, सिकल सेल एनीमिया, रुमेटाईड आर्थीराइटिस एंकोलाइजिंग स्पोंडिलाइटिस जैसी लाईलाज गंभीर ऑटोइम्यून बीमारियों तथा कोमा, हॉस्पिटल में भर्ती अंतिम अवस्था के पेशेंट, ब्रेन ट्यूमर जैसी कई अन्य गंभीर बीमारियों में, रोगियों को शीघ्र लाभ, बिना साइड इफेक्ट देते हुए, बिना परहेज के इस चिकित्सा पद्धति से न केवल उन्हें स्वस्थ किया, बल्कि बिना दवाईयों की निर्भरता के उन्हे पुर्ण स्वस्थ जीवन दिया। **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति** उन्नत तकनिक एवं अपने अनुभव के आधार पर इस प्रद्धति का न सिर्फ भारत में, बल्कि USA, दुबई, बांग्लादेश, यूएस, यूके, अमेरिका सहित कई अन्य देशों के रोगियों ने लाभ लिया है। शारीरिक लक्षणों के साथ-साथ क्लीनिकल पैथोलॉजी जांच को भी सम्मिलित कर आपने **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति** चिकित्सा से ठीक हुए लगभग 3000 से अधिक रोगियों के पूर्व व बाद की जांच रिपोर्ट तथा उनके हस्तलिखित अनुभव एवं साक्षात्कार को ऑनलाईन तथा ऑफलाईन संग्रह कर रखा है। ताकि इस सुपर स्पेशलिटी मार्डन होम्योपैथी पद्धति को चिकित्सा विज्ञान में मान्यता मिल सके और आनेवाली होम्योपैथीक चिकित्सकों की पीढी विश्व भर में हजारों लाखों निराश हताश और जीवन से ना उम्मीद लोगों को भारत की भूमि से एक नई राह दे सके।

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथिक क्लीनिक

Vision of Complete, Easy, Safe, Fast, Cost Effective Cure.

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी

यह एक आधुनिक चिकित्सा विज्ञान है जो होम्योपैथी के मूल स्वरुप को समाहित कर उसे ही आधार रखकर कई अन्य नई विशेषताओं को समेटे हुए है।



जड़ से रोगों की सम्पूर्ण चिकित्सा

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति, रोगी को पूर्ण रुप से तन, मन और आत्मा के स्वरुप से रोग मुक्त कर, उम्र भर के लिए रोगों की पुनरावृत्ति से दूर रखता है, जो कि किसी भी चिकित्सा विज्ञान में होना अत्यंत ही आवश्यक है।

आसान विधि

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति, दवाईयों के कई प्रकार के स्वरुप उपयोग में लाए जाते हैं, जैसे कि डेसिमल पोटेन्सी, सेंटीमल पोटेन्सी, 50 मिलिसिमल पोटन्सी, मदरटिंचर, बायोकेमिक दवाईयाँ , पेटेंटस इत्यदि।

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति, में दवाईयों को लेने की विधि अत्यंत ही आसान है, जो कि योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक के मार्गदर्शनानुसार, बताई हुई मात्रा में, बिना किसी भ्रान्ति के ली जा सकती है। आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी में दवाईयाँ लेते समय खान-पान या तीव्र गंध वाले पदार्थ का सेवन न करने का परंपरागत नियम नहीं है। यानि इनके लिए किसी परहेज की आवश्यकता नहीं है। क्योकि दवाईयों की उच्च गुणवत्ता एवं उच्च शक्तिकृत होने के कारण इन सभी छोटी-मोटी भ्रान्तियों का **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी** में कोई स्थान नहीं है। इसी कारण **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति,** बिना किसी रुकावट एवं नियमों के विपरीत कठिन व जटिल असाध्य रोगों में भी कम से कम दवाईयों में उच्चतम चिकित्सा आसानी से प्रदान करता है। **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति,** में किसी भी प्रकार के रोगों का इलाज प्रत्यक्ष एवं पूर्ण रुप से होम्योपैथिक दवाईयों या अन्य चिकित्सा पद्धतियों की दवाईयों के साथ भी सहायक दवाईयों के रुप में बीमारी के रुप एवं अवस्थानुसार दोनों प्रकार से संभव है।

हानिरहित चिकित्सा पद्धति

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति, पोटेंसी के उपरान्त भी किसी प्रकार के हानिकारक प्रभाव की आशंका नहीं है। चूंकि होम्योपैथिक दवाईयों की शक्तिकरण प्रक्रिया में मूल दवा की मात्रा क्रमश : कम होती जाती है, और शक्ति बढती जाती है, इसलिए कम से कम केमिकल और कच्चे पदार्थ के समावेश से शरीर पर किसी भी प्रकार के हानिकारक प्रभाव की आशंका न के बराबर होती है, जो कि किसी भी अन्य चिकित्सा विज्ञान में लगभग असंभव है।

तीव्र रोग निवारण प्रक्रिया

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति, की सबसे महत्वपूर्ण व्याख्या, इसकी तीव्र रोग निवारण प्रक्रिया से होती है, जो कि परंपरागत होम्योपैथी से इसे अलग करती है। चूंकि **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति,** में चिकित्सक रोग निवारण के लिये उच्चतम शक्तिकृत औषधियां, अपने चिकित्सकीय अनुभवों, कम्प्यूटराइज्ड सॉफ्टवेयर्स एवं नवीन तकनीक की मदद से ले सकते हैं। साथ ही साथ **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति,** में मौजूद 4000 से अधिक औषधियां एवं शून्य पोटेंसी से लेकर 50 लाख पोटेंसी तक उच्च शक्तिकृत दवाईयाँ किसी भी प्रकार के रोग के सम्बन्ध लिये वैज्ञानिक रुप से प्रमाणित है। इस प्रकार इस तकनीक की मदद से रोगी के रोग के विवरण का संग्राहण एवं निष्पादन अत्यंत ही आसान है जिसके कारण एक योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक सर्वश्रेष्ठ औषधि का चुनाव कर तीव्र गति से किसी भी गंभीर व शल्य चिकित्सा योग्य एवं लाइलाज रोग का शमन बिना किसी हानि के कर सकता है।

कम खर्च में चिकित्सा

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति, के विभिन्न बहुमुखी आयामों के बावजूद यह चिकित्सा विधि अन्य सभी चिकित्सा विधियों की तुलना में अत्यंत ही सुलभ है। इसी कारण से आधुनिक होम्योपैथी विश्व में अपने हानिरहित सम्पूर्ण चिकित्सा, तुरंत प्रभाव एवं कम खर्च में सुलभ दवाईयों की उपलब्धता के कारण लोकप्रिय होती जा रही है। विश्व का हर चौथा व्यक्ति किसी न किसी स्वरुप में होम्योपैथी पर विश्वास कर सम्पूर्ण स्वास्थ लाभ प्राप्त कर रहा है।

संभव उपचार

सम्पूर्ण, सरल, हानिरहित, किफायती, तीव्र एवं स्थाई संभव उपचार आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी।

चिकित्सा विज्ञान के वह क्षेत्र जिनमें आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी ने असंभव को संभव कर दिखाया।





कैंसर, किडनी, कोमा, रक्त संबंधी बीमारियां जैसे सिकल सेल एनीमिया,अप्लास्टिक एनीमिया, घुटनों का आर्थराइटिस एवं अन्य ऑटोइम्यून बीमारियां, सर्जरी योग्य बीमारियां, न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स या कोमा में चले गए लोगों को रिकवर करना, हृदय रोग से संबंधित बीमारियां, स्किन संबंधित बीमारियां जैसे सोरायसिस डर्मेटाइटिस आदि की स्थाई चिकित्सा में

डॉ अर्पित चोपड़ा जैन आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा ने नए आयाम गढ़े है।

एलर्जी संबंधी बीमारियां, महिलाओं से संबंधित रोग, यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम, गैस्टिक प्रॉब्लम्स, जीवन भर दवाईयाँ चलने जैसी बीमारियाँ यानी लाईफटाईम ड्रग डिपेंडैंसी वाली प्रॉब्लम्स, रूमेटाइड अर्थराइटिस, रूमेटोलॉजिकल बीमीरियां वैस्कुलर सिंडोम, एक्यूट या सामान्य बीमारियां, पीडियाटिक या बाल रोग, शिशु रोग तथा स्पाइनल कार्ड सहित, लगभग 300 अलग-अलग बीमारियों पर भी **डॉ अर्पित चोपड़ा जैन आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी** ने असर दिखाया है। और इस तरह की लाइलाज, जटिल और असाध्य बीमारियों के रोगियों ने इस चिकित्सा पद्धति को अपनाकर बिना किन्हीं दवाईयों की निर्भरता के अपना सामान्य एवं स्वस्थ जीवन पुनः प्राप्त किया।





कैंसर यानी लगभग मौत मगर अब नहीं



कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी इंसान को सीधे मौत नजर आती है, क्योकि कहा जाता है कि कैंसर को थोड़ा बहुत ठीक तो किया जा सकता है, मगर यह जिसे हो जाए उसकी जान लेकर ही जाता है।

कैंसर कैसे शुरू होता हैं।

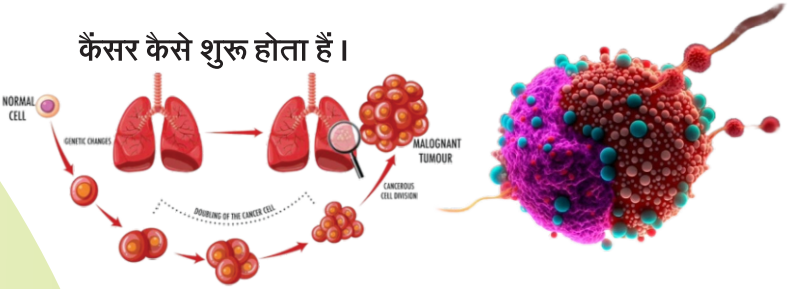

कैंसर कई प्रकार का होता है,

- ❖ मुख का कैंसर
- ❖ गॉलब्लैडर का कैंसर
- ❖ यूट्रस कैंसर ❖ ब्लड कैंसर
- ❖ ब्रेस्ट कैंसर ❖ ब्रेन ट्यूमर कैंसर आदि

कैंसर एक इतनी भयानक बीमारी है, जिससे आधा तो इंसान इसके नाम से ही हताश और निराश हो जाता है तथा पीड़ादायक ऑपरेशन या सर्जरी, कष्टप्रद कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और न जाने क्या-क्या बुरे ख्याल उसके मन मे आते हैं। और इस सब के बावजूद उसे कोई गारंटी नहीं होती कि वह पूरी तरह ठीक हो जाएगा।

कैंसर के कई ऐसे प्रकार हैं जो आए दिन हम देखते रहते हैं, परंतु हम साथ ही यह भी सुनते हैं कि कई लोगों ने कैंसर को मात देकर अपना सामान्य जीवन प्राप्त किया। इन लोगों ने तो, कहीं ना कहीं, अपने आत्मविश्वास, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और महंगे विदेशी इलाज से कैंसर जैसी भयंकर बीमारी पर जीत हासिल कर ली, मगर एक आम सामान्य परिवार में यदि किसी इंसान को कैंसर हो जाए तो समझ लीजिए ना सिर्फ वह इंसान, बल्कि वह पूरा परिवार ही बिखर जाता है। उस परिवार पर जैसे मुसीबतों का पहाड़ ही टूट पड़ता हैं।

मगर अब किसी भी तरह के किसी भी स्टेज के कैंसर रोगी को निराश, हताश और ना उम्मीद होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भारत के मशहूर होम्योपैथी **प्रोफेसर डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** ने, अपनी कई सालों की उन्नत तकनिक और अनुभव के आधार पर, 50 लाख पावर तक की होम्योपैथी दवाईयों को बेस बनाकर, असरकारक, **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** बनाई है। जिससे अभी तक स्टेज (1) से (4) तक के अलग -अलग प्रकार के कैंसर रोगी को **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** से लाभप्राप्त हुआ, और आज वे अपना सामान्य जीवन अपने परिवार के साथ खुशहाली से जी पा रहे हैं ।

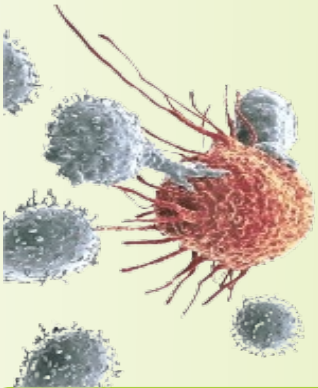

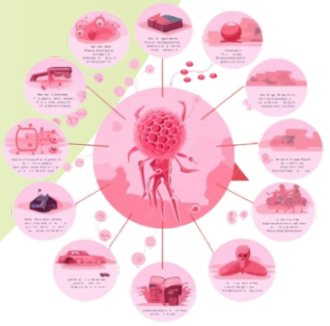

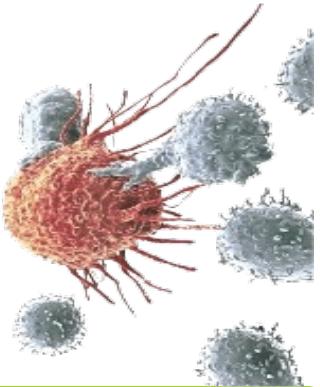

कैंसर


Brain Cancer
Lung Cancer
Coloractal Cancer
Liver Cancer
Gastric Cancer
Kidney Cancer

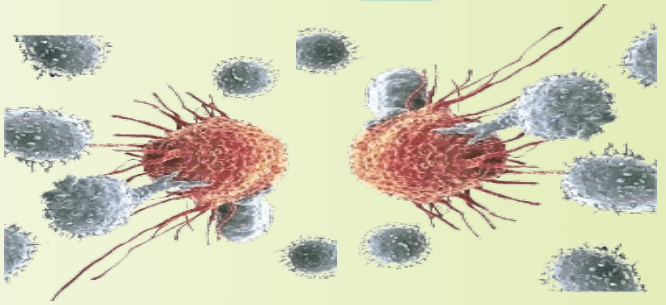

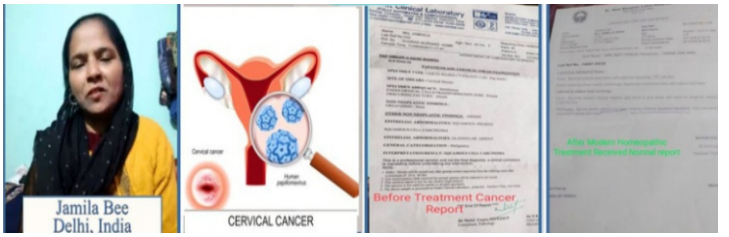
Jamila Bee
Delhi, India
CERVICAL CANCER
Before Treatment Cancer Report
After Modern Homeopathic Treatment Received Normal report


Ashiya Ansari
Indore, M.P
GBM
Glioblastoma


Sarita Jain
Indore, M.P
Colorectal Cancer
Rectal Cancer


Chandrbhan Singh Parihar
Indore, M.P
HEPATOCELLULAR CARCINOMA

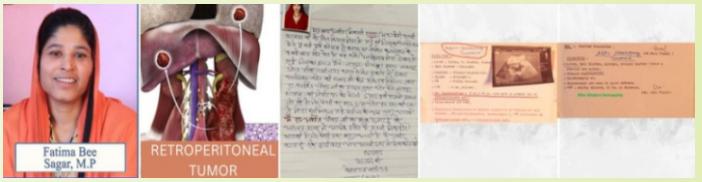
Fatima Bee
Sagar, M.P
RETROPERITONEAL TUMOR

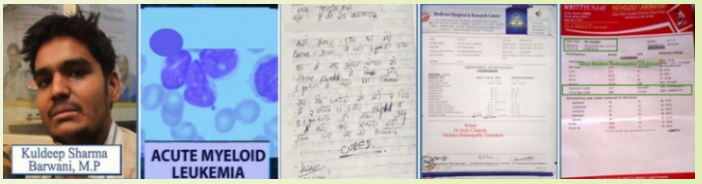
Kuldeep Sharma
Barwani, M.P
ACUTE MYELOID LEUKEMIA

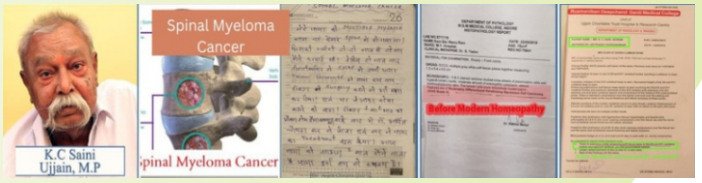
K.C Saini
Ujjain, M.P
Spinal Myeloma Cancer
Spinal Myeloma Cancer


Munni Devi Chouhan
Bhind, M.P
Periampullary carcinoma

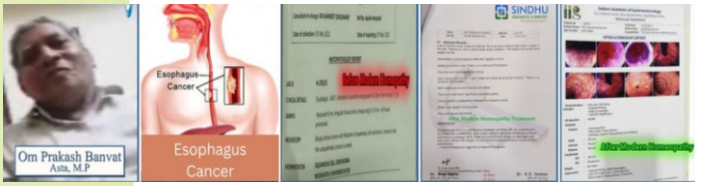
Om Prakash Banvat
Asta, M.P
Esophagus Cancer
Esophagus Cancer
SINDHU

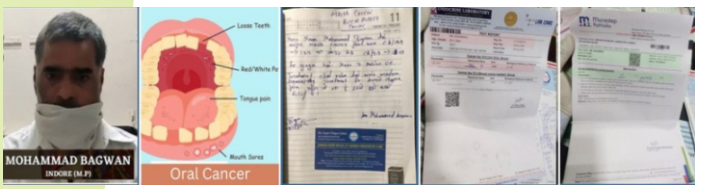
MOHAMMAD BAGWAN
INDORE (M.P)
Oral Cancer


Narmada Prasad
Harda (M.P)
Homeopathy Treatment


Nisha Jain
Mandsaur, M.P
Ovarian Cancer

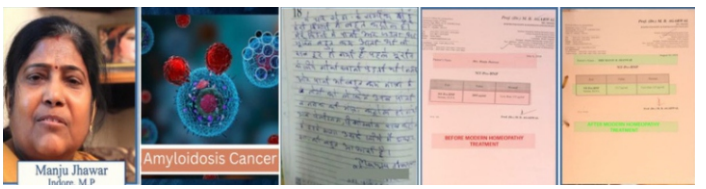
Manju Jhawar
Indore, M.P
Amyloidosis Cancer

किडनी

किडनी यानि हमारे शरीर का स्वच्छता मंत्रालय

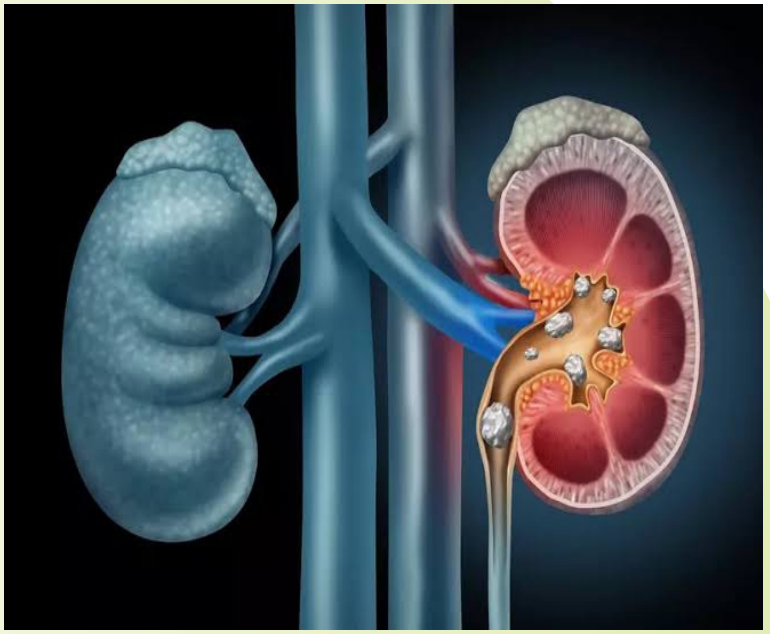

किडनी हमारे शरीर का वह आवश्यक अंग है जो हमारे पूरे शरीर को चलायमान रखने के लिए जरूरी होता है। क्योंकि किडनी हमारे शरीर में बहने वाले खून का शुद्धिकरण करती है, और उसमें से अनावश्यक पदार्थों को निकाल कर मूत्र के माध्यम से शरीर से पृथक कर देती है। परंतु यदि हमारी किडनी स्वस्थ रुप से कार्य नहीं करती है, तो पूरा शरीर ही अस्वस्थ हो जाता है। और यदि समय रहते किडनी संबंधी रोग का सही इलाज न किया जाए तो रोगी की जान भी जा सकती है।

किडनी रोग कई प्रकार के होते हैं,

- ❖ किडनी स्टोन
- ❖ क्रॉनिक किडनी डिसीजिज
- ❖ पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज
- ❖ नेफ्रोटिक सिंडोम चिकित्सा

ऐसी कई किडनी से संबंधित बीमारियाँ हैं,

जिनमें एलोपैथी चिकित्सा पद्धति में सर्वप्रथम दवाईयाँ फिर ब्लड टांसफ्यूजन, प्लाजमा, डायलिसिस और अंत में किडनी ट्रांसप्लांट तक की सलाह दे दी जाती हैं। परंतु **डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन** का कहना है कि अपनी किडनी अपनी ही होती है। हम किसी भी प्राकृतिक अंग के स्थान पर दूसरे मानव अंग या कृत्रिम अंग का प्रयोग करने की जगह यदि अपने ही प्राकृतिक अंगों को बचाते हुए,उसका उपचार करें तो वह ज्यादा लाभदायक और सुरक्षित होता हैं। **डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** ने अपनी **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा** पद्धति से, किडनी संबंधी ऐसे कई गंभीर रोगियों को बिना किडनी टांसप्लांट के बिना किसी सर्जरी के **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सापद्धति** के माध्यम से, स्वस्थ कर खुशहाल जीवन दिया हैं।





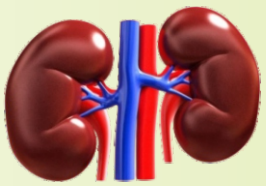



ऑटोइम्यून बीमारियां

जहाँ अपनी ही कोशिकाऐं अपनी ही कोशिकाओं की दुश्मन हो जाती हैं।

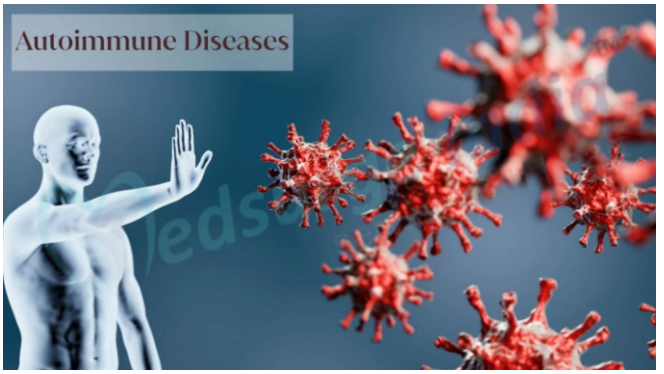

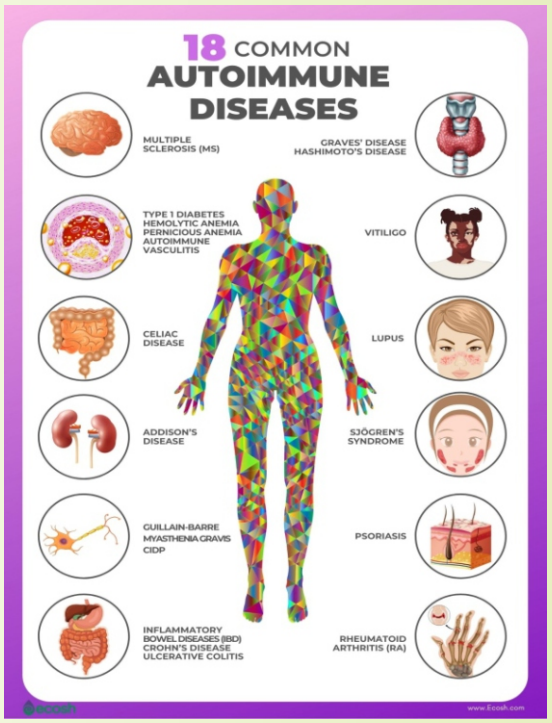

खुद का शरीर ही खुद का दुश्मन बन जाता हैं। जिसमे कि अपने ही शरीर की रोग प्रतिरोधक कोशिकाएं अपने ही शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को दुश्मन बैक्टीरिया या वायरस मानकर उन पर हमला कर देती हैं।

आपके शरीर की रोग रक्षा प्रणाली, जिसे प्रतिरक्षा प्रणाली कहा जाता है, जो प्रतिदिन युद्ध के लिए जाती है। यह आपके शरीर में घुसने वाले वायरस और बैक्टीरिया से लड़कर आपको स्वस्थ रखने में मदद करती है। लेकिन कई बार आपका इम्यून सिस्टम गलतियां कर देता है। यदि यह आपके शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को खतरे के रूप में देखता है, तो यह उन पर हमला कर सकता है। इससे ऑटोइम्यून डिस ऑर्डर हो सकता है। और कई ऑटो इम्यून बिमारी आपको घेर लेती है। एक ऑटोइम्यून बीमारी के निदान में समय लग सकता है। खासकर यह एक ऐसी बीमारी है, जो आपके शरीर के कई हिस्सों को प्रभावित करती है कोरोना काल के बाद ऑटो इम्यून बीमारियों के रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। मुस्कुलर डिस्टाफी, SLE Disease सिस्टेमिक ल्यूपस, एरिथेमेटोसस, एग्ज़ीमा, IGA, नेफ्रोपैथी, रुमेटॉईड अर्थिराइटिस, ल्यूपस नेफ्रैटिस, ILD इंटरस्टिटयाल लंग डिजीज, एन्कोलॉइजिंग स्पॉन्डिलाइटिस, फाइब्रोमाएल्जिया, ITP (एडीओपथिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परपूरा) पार्किसंस डिज़ीज, सिलिक डिज़ीज और सोरयासिस सहित ऐसी कई अन्य बीमारियाँ हैं जो आटोइम्यून की श्रेणी में आती हैं।

अभी तक मेडिकल साइंस के अनुसार ऑटो इम्यून बीमारियों में खतरनाक बात यह भी कही जाती है। कि, इन बिमारियों का पूरी तरह से इलाज करना संभव नहीं है, और मरीज को जिंदगी भर दवाईयाँ, स्टेरॉयड या पेनकिलर्स खाने की सलाह दे दी जाती है, और अंत में मरीज को जब दवाईयाँ काम करना बंद कर देती हैं, या उसके दुश परिणाम चालु हो जाते हैं , तब स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।

परन्तु **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा** के **डॉ अर्पित चोपड़ा जैन** ने अपने 21 वर्षों के चिकित्स्कीय अनुभव में पाया कि ऐसी कई ऑटो इम्यून बिमारियाँ सिर्फ **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा** से पूरी तरह से जड़ से समाप्त की जा सकती हैं। और उन्होंने ऐसी कई ऑटो इम्यून बिमारियों के रोगियों को पूरी तरह ठीक किया, जिन्हे मेडिकल साइन्स में लाइलाज बता दिया गया था। यह है, कुछ ऐसे पेशेंट्स जिन्होंने **डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा** से लाइलाज कहीं जाने वाली अलग-अलग तरह की ऑटो इम्यून बिमारियों पर पूरी तरह जीत हासिल की और आज वे अपना स्वस्थ जीवन बिना किसी दवाओं के सामान्य रूप से जी रहे हैं।

कृत्रिम अंग कृत्रिम ही होते हैं , स्वयं के प्राकृतिक अंगों को सुरक्षित रखें, किडनी ट्रांसप्लांट से बचें।

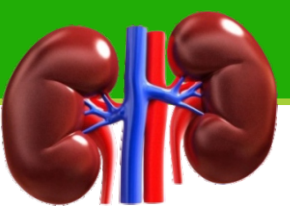

किडनी संबंधी रोगों से ठीक हुए विभिन्न लाभान्वित रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा से पूर्व एवं बाद की रिपोर्ट्स और उनके उद्गार

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा













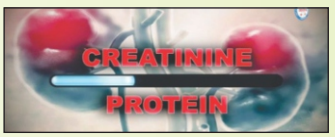

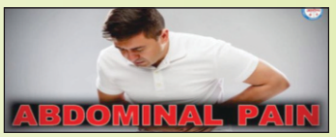









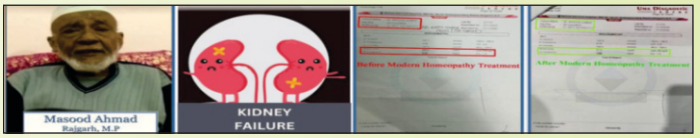



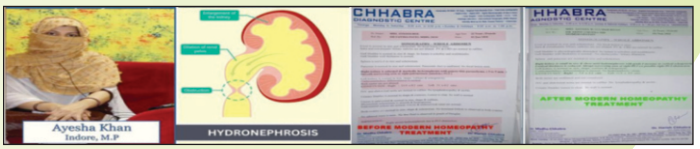

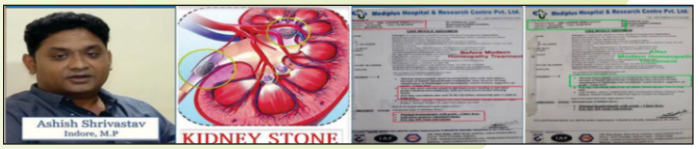



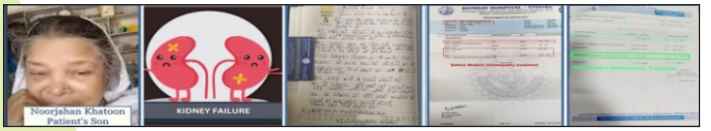





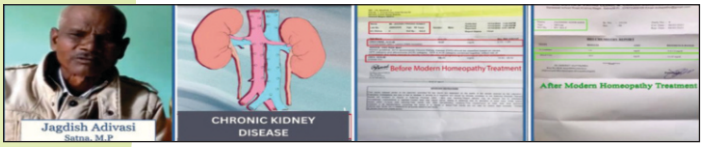











रोगी के रोग को दबाना नहीं, जड़ से ख़त्म करना ही उसका संपूर्ण इलाज है

ऑटोइम्यून संबंधी रोगों से ठीक हुए रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा से पूर्व एवं बाद की रिपोर्ट्स और उनके उद्गार

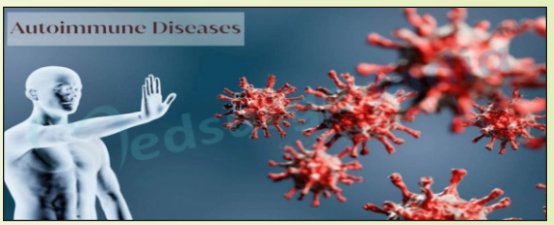





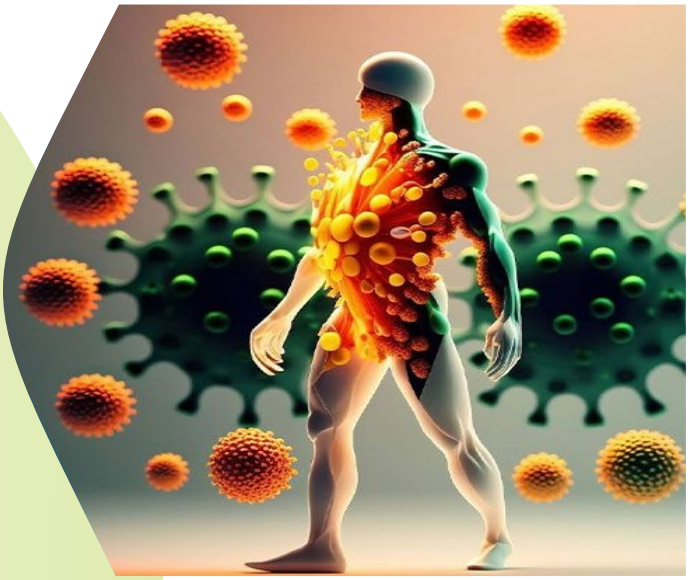

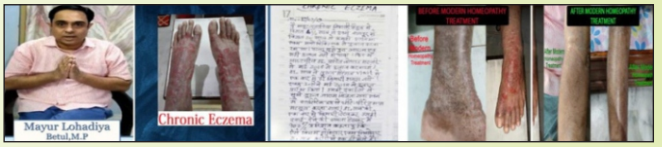





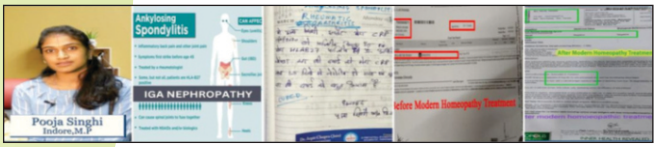



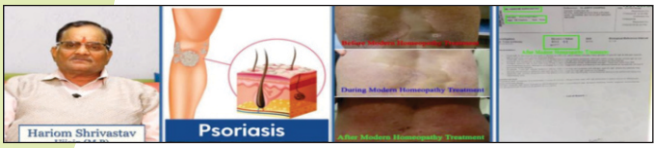





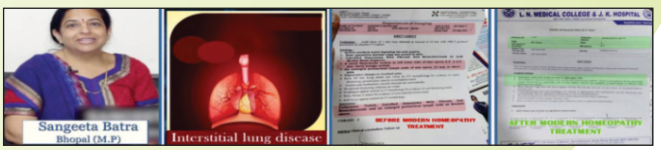

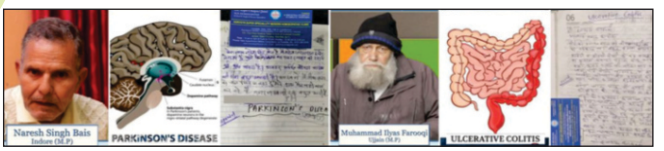

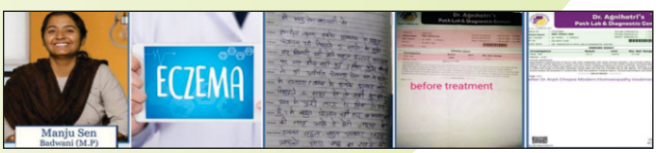



सर्जरी

सर्जरी, ऑपरेशन, या वह रोग जिनमें शल्य क्रिया ही अंतिम उपाय हो, ऐसे रोगों के लिए आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी एक बेहतरीन विकल्प है।



सर्जरी, या आपॅरेशन चिकित्सा विज्ञान का वह क्षेत्र है, जिसमें शरीर के रोग जनित हिस्से या अंग को शल्य क्रिया के माध्यम से या तो उपचारित किया जाता है, या उस हिस्से या अंग को शरीर से पृथक कर दिया जाता है। कभी-कभी से अंग शरीर के लिए बहुत महत्वपूर्ण भी होते हैं, तो उनके स्थान पर या तो कृत्रिम अंग लगाए जाते हैं , या ऑपरेशन के जरिये दूसरे मानव अंगों को प्रत्यारोपित किया जाता है। कभी-कभी शरीर के किसी भी भाग में कोई छोटी सी गठान भी बड़ी गंभीर बीमारी का रूप ले सकती है। जिसे शल्य क्रिया द्वारा निकाल दिया जाता है,

कई ऐसी बीमारियां हैं जिनमे एलोपैथी चिकित्सा पद्धति में, ऑपरेशन या सर्जरी ही एकमात्र विकल्प माना जाता है। मगर कई बार यह भी देखने में आता है कि, सर्जरी अथवा ऑपरेशन या तो विफल यानि फ़ैल हो जाता है, या सर्जरी किया हुआ रोग पुनः उभर आता है। किसी-किसी रोग में तो बार-बार सर्जरी के बाद भी रोग की पुनरावृति पायी जाती है। और समस्या विकट होकर रोगी की जान भी जा सकती है।

परन्तु कभी-कभी वह कुछ समय बाद पुनः उभर आती हैं।

- ❖ किडनी स्टोन ❖ गॉलब्लेडर स्टोन ❖ फाइब्रोएडीनोमा
- ❖ ब्रेन ट्यूमर ❖ म्युक्रोमायकोसिस ❖ मेनिन्जियोमा
- ❖ वोकल कार्ड नोड्यूल ❖ वेरिकोस वेन्स
- ❖ सर्वाइकल लिम्फेडेनोपैथी ❖ वेरिकोसील ❖साइसाइटिस
- ❖ फेलोपियन ट्यूब ब्लॉकेज ❖ अवेस्क्युलर नेक्रोसिस
- ❖ यूटेराइन फाइब्रॉइड्स ❖ पंसीलाइटिस
- ❖ फिशर ❖ ओटोर्हिया आदि

चूँकि सर्जरी या ऑपरेशन बाहरी चिकित्सा है, अतः उसके अपने प्रभाव, दुष्प्रभाव हैं, मगर **डॉ अर्पित चोपड़ा जैन** की **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा,** ऐसे जटिल रोगों में शरीर के अंदर से काम करती है, और मेटाबोलिज़्म को ठीक करके रोग को जड़ से खत्म करती है। जिससे वह रोग पुनः नहीं उभरता और रोगी को स्थाई आराम मिलता हैं।

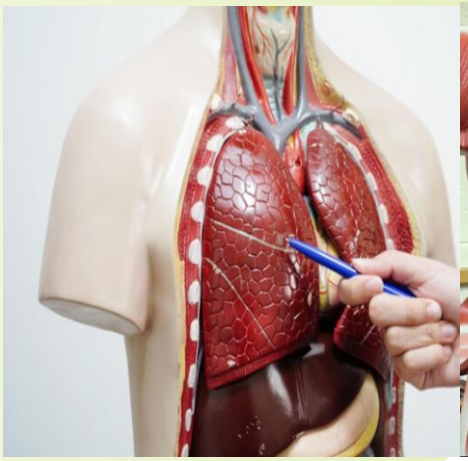

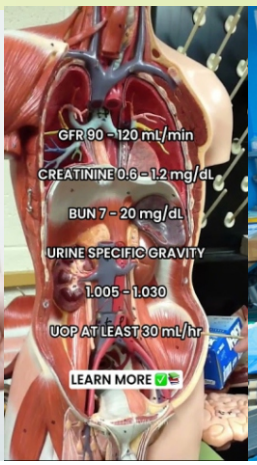



सर्जरी




ACCIDENT

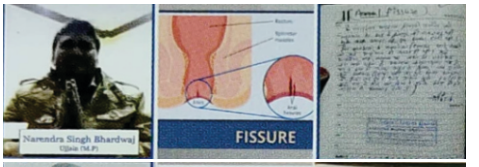
Narendra Singh Bhardwaj
FISSURE

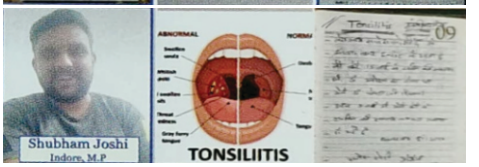
Shubham Joshi
Indore, M.P
TONSILIITIS

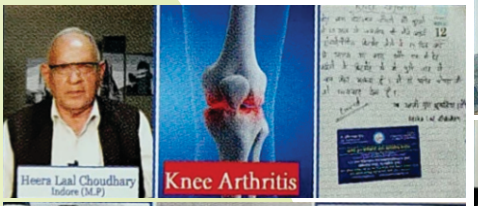
Heera Laal Choudhary
Indore (M.P)
Knee Arthritis

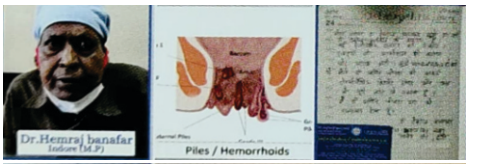
Dr.Hemraj banafar
Piles / Hemorrhoids

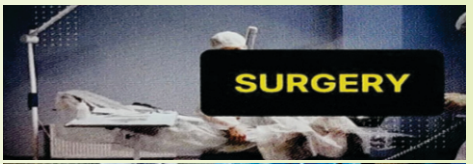
SURGERY

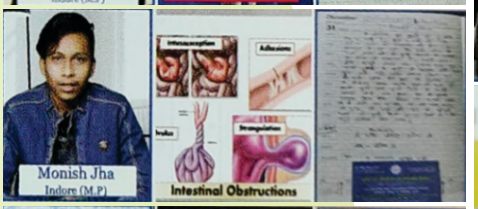
Monish Jha
Indore (M.P)
Intestinal Obstructions


Sahil Khan
Otorrhea


OPERATION

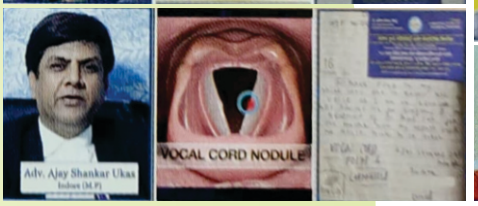
Adv. Ajay Shankar Ukas
Indore (M.P)
VOCAL CORD NODULE


Pratibha Chinchwadkar
VARICOSE VEINS


DISEASE

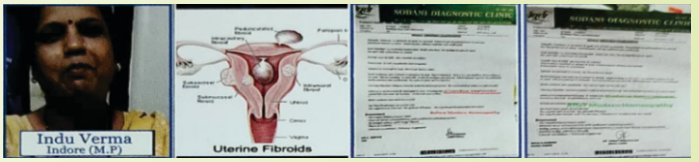
Indu Verma
Indore (M.P)
Uterine Fibroids


Kusum Jain
Ujjain (M.P)
Mucormycosis


Babita Karma
Satwas (M.P)
FALLOPIAN TUBE BLOCKAGE


Anika Sayyad
Indore(M.P)
Gall Stones

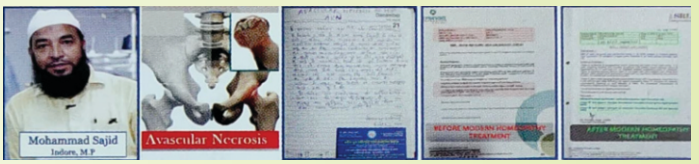
Mohammad Sajid
Indore, M.P
Avascular Necrosis


Mahesh Jain
Bhatpachlana ,Ujjain
CERVICAL LYMPHADENOPATHY

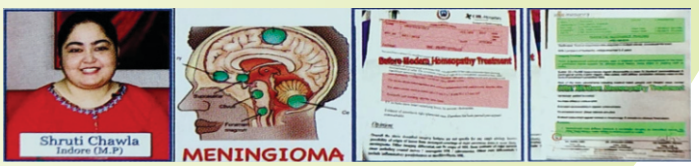
Shruti Chawla
Indore (M.P)
MENINGIOMA


Girish Kumar
Rajgarh (M.P)
Varicocele

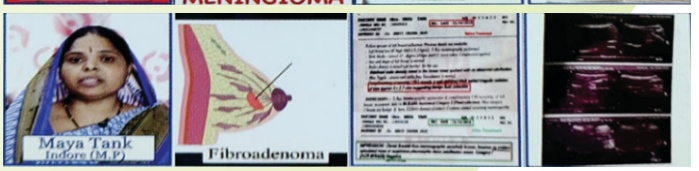
Maya Tank
Indore (M.P)
Fibroadenoma

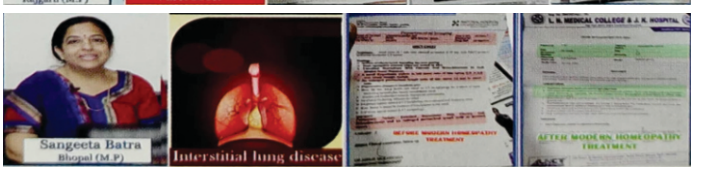
Sangeeta Batra
Bhopal (M.P)
Interstitial lung disease

वंशानुगत भी होते हैं, कुछ रक्त संबंधी रोग।

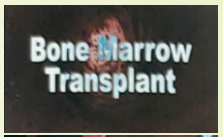

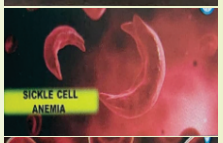

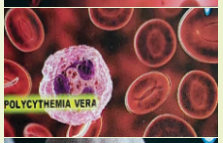



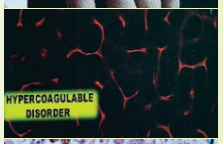

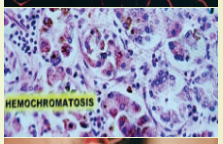





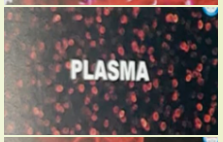







कभी-कभी हमारे रहन सहन प्राकृतिक बदलाब और वंशानुगत कारणों से हमारे रक्त में कुछ विकार उत्पन्न हो जाते हैं, जो धीरे-धीरे बढ़कर किसी गंभीर लाइलाज रक्त की बीमारी का रूप ले लेते हैं।

जैसा कि हम सभी जानते हैं, रक्त हमारे शरीर का एक बहुत महत्वपूर्ण अवयव है, जो हमारे पूरे शरीर को शुद्ध ऑक्सीजन और जरूरी अंगों को पोषक तत्व प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका आदा करता है।

हमारे शरीर के रक्त में मुख्य रूप से, (WBC) व्हाईट ब्लड सेल्स, (RBC) रेड ब्लड सेल्स, हिमोग्लोबिन, प्लाज्मा या प्लेटलेट यह प्रमुख होते हैं, जिनकी बराबर मात्रा से हमारा रक्त स्वस्थ रहता है किसी भी कारण से जब इन अवयवों में वृद्धि या कमी होती है तो वह किसी गंभीर रक्त रोग के लक्षण होते है, सिकल सेल एनीतिया जैसे कुछ रोग वंशानुगत रूप से भी पाए जाते हैं।

रक्त संबंधी रोगों में प्रमुख रूप से गंभीर रोग हैं –

- ❖ अप्लास्टिक एनीमिसा ❖ सिकल सेल एनीमिया
- ❖ इम्यून थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पुरपुरा ❖ थ्रोम्बोसाइटोसिस
- ❖ पैन्सीटोपेनिया ❖ डेंगु ❖ एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया (एएमएल)
- ❖ एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (खून का कैंसर) (एएमएल)
- ❖ एरिथ्रोसाइटोसिस ❖ हेमोक्रोमैटोसिस
- ❖ हाइपरकोएग्युलेबल डिसऑर्डर
- ❖ MPS म्यूकोपोलिसेकेरीडोसिस सिंडोम
- ❖ आयरन डिफिशिएन्सी एनीमिया ❖ ल्यूकोसाइटोसिस
- ❖ पोलीसायथीमिया वेरा
- ❖ इंडियोपथिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परपूरा (ITP)

जैसे कई अन्य और भी गंभीर रक्त रोग हैं, जिनके लिए एलोपैथी चिकित्सा में शुरुआत दौर में कुछ स्टेरॉइड्स देकर बोनमेरो को बूस्ट अप किया जाता है, फिर गंभीरता बढ़ने पर, ब्लड टांसफ्यूजन, प्लाज़्मा, प्लेटलेट्स टांसफ्यूजन, स्टेम सेल टांसप्लांट या फिर अंत में बोनमेरो टांसप्लांट बता देते है।

जिसमें लगभग 35 से 60 लाख रुपये तक का खर्च आ सकता है। जो आम आदमी की क्षमता के बाहर होता है, और कई रोगी इन बिमारियों के महंगे और लम्बे इलाज के चलते, समय काल के ग्रॉस में समा जाते हैं।

लेकिन अब रक्त संबंधी किसी भी गंभीर बीमारी के निदान के लिए, किसी भी रोगी को हताश, निराश और उदास होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि बीमारियों के इलाज में एक्सपर्ट, देश विदेश में मशहूर एवं **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** और प्रयास से **प्रोफे. डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** ने रक्त संबंधी बीमारियों के ऐसे कई गंभीर रोगियों को पूरी तरह से स्वस्थ किया है, उन्हें जिंदगी भर दवाईयां लेने या ब्लड टांसफ्यूजन, प्लाज़्मा या बोनमेरो ट्रांसप्लांट, जैसी समस्याओं से बचा कर उन्हें नया जीवन दिया है।

रक्त संबंधी रोग

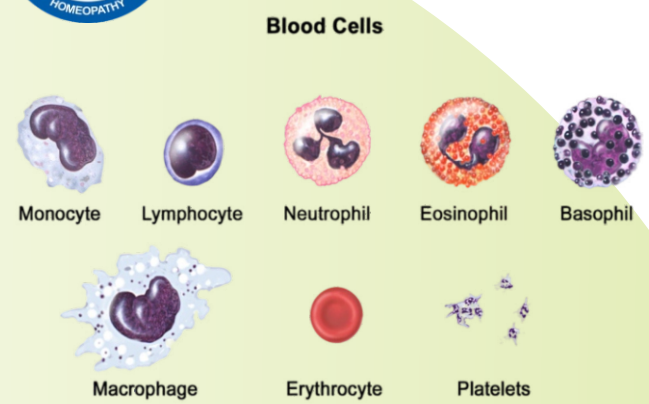
Blood Cells
Monocyte
Lymphocyte
Neutrophil
Eosinophil
Basophil
Macrophage
Erythrocyte
Platelets

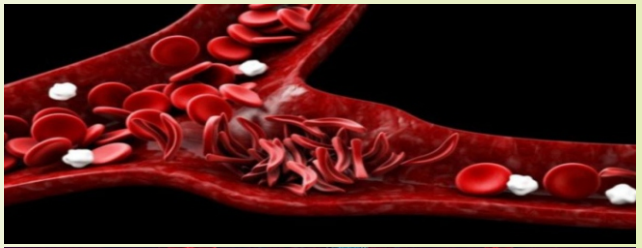

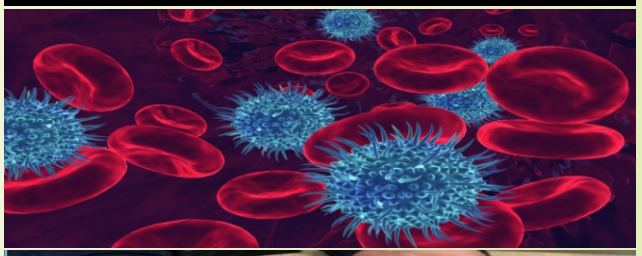








Aplastic Anemia

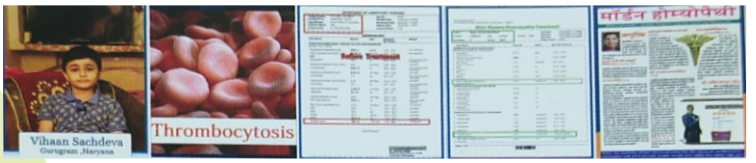
Vihaan Sachdeva
Thrombocytosis


Gayatri Gaikwad
IDIOPATHIC THROMBOCYTOPENIC PURPURA


ACUTE LYMPHOBLASTIC LEUKEMIA

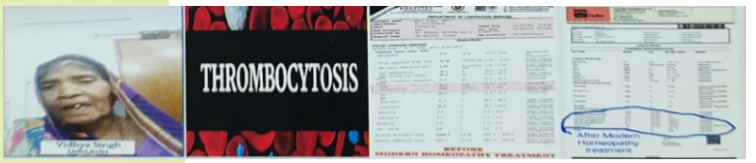
THROMBOCYTOSIS

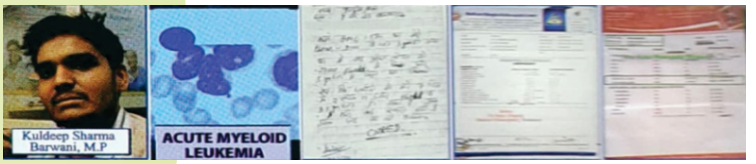
Kuldeep Sharma Barwani, M.P
ACUTE MYELOID LEUKEMIA

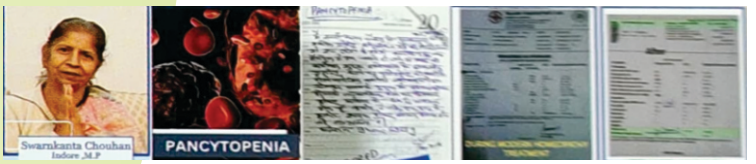
Swarnkanta Chouhan
PANCYTOPENIA


Usha
Aligarh ,U.P
APLASTIC ANEMIA

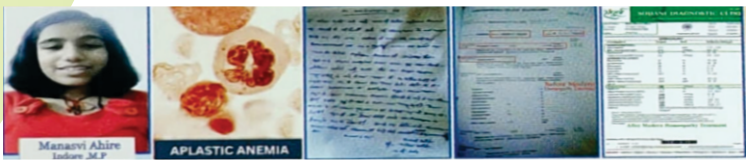
Manasvi Ahire
APLASTIC ANEMIA


Prachi Yadav
ITP
IDIOPATHIC THROMBOCYTOPENIC PURPURA

न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर

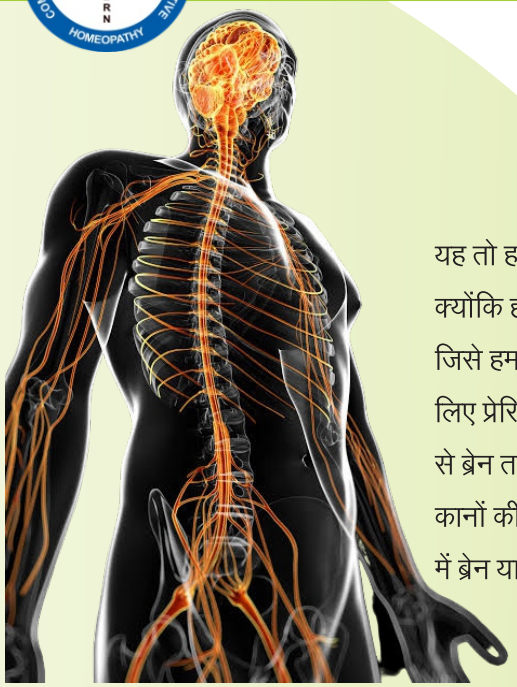

ब्रेन हमारे शरीर का पॉवर हाऊस कंट्रोल रुम होता है।

यह तो हम सभी जानते हैं कि हमारे शरीर का मस्तिष्क यानी ब्रेन सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। क्योंकि हमारे सारे शरीर को नियंत्रित करने वाली सभी नस नाड़ियां, सीधे ब्रेन से जुड़ी होती हैं, जिसे हम नर्वस सिस्टम कहते हैं। ब्रेन ही सभी इंद्रियों को सूचना देकर, सोचा हुआ कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। जैसे यदि नाक मे कोई सुगंध या दुर्गन्ध आती है, तो नर्वस सिस्टम के माध्यम से ब्रेन तक पहुंचती है, और ब्रेन निर्धारित करता है कि यह सुगंध या दुर्गंध किस चीज की है। ऐसे ही कानों की सुनने की शक्ति, मुंह का स्वाद, किसी के स्पर्श से होने वाला एहसास आदि सभी क्रियाओं में ब्रेन याने मस्तिष्क का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

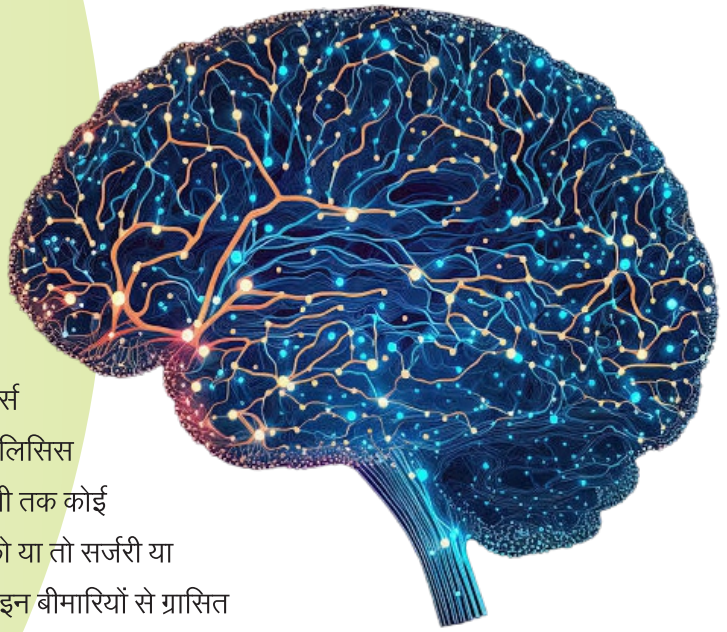

अब यदि किसी अनुवांशिक या आकस्मिक दुर्घटना के कारण, अथवा किसी न्यूरोलॉजिकल डिस ऑर्डर के कारण, मस्तिष्क में कोई नस सिकुड़ जाए, या कोई गठान हो जाए, या कहीं से नसों पर दबाव पड़े, तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति ब्रेन स्टोन या ब्रेन हेमरेज अथवा ब्रेन ट्यूमर का शिकार हो सकता है। हम कह सकते हैं कि न्यूरोलॉजिकल , डिसऑर्डर्स सीधे-सीधे हमारे ब्रेन से जुड़े होते हैं। इसके कारण न सिर्फ ब्रेन स्टोक ब्रेन हेमरेज हो सकता है, बल्कि पेशेंट कोमा में भी जा सकता है। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स के कारण ही एपिलेप्सी, पार्किंसन डिजीज, माइग्रेन, वर्टिगो, केवरनोमा, पैरालिसिस जैसी अन्य कई बीमारिया होती हैं, जिनका एलोपैथी चिकित्सा पद्धति में अभी तक कोई स्थाई इलाज असंभव बताया जाता है। और ज्यादातार इस तरह के पेशेंट को या तो सर्जरी या जीवन भर दवाईयों के सहारे रहने के लिए कह दिया जाता है। जिस कारण इन बीमारियों से ग्रासित रोगी अपने जीवन से हताश, निराश और ना उम्मीद होकर जीते जी एक जिंदा लाश बन जाते हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत में तकरीबन 30 मिलियन लोग किसी न किसी तरह के न्यूरोलॉजिकल रोग से पीड़ित हैं। आंकड़ों की बात करें तो 1,00,000 की आबादी में 2,394 मरीज़ इन रोगों का शिकार हैं। फिर भी इन रोगों के बारे में जागरुकता की कमी है, और इन मरीज़ों को समाज में भेदभाव और कलंक का सामना करना पड़ता है। मगर ना उम्मीदी के अंधेरों में **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सापद्धति** के प्रयासो से उम्मीद की एक मशाल जलाई है, डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन ने। **डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** ने असंभव को संभव करते हुए अपनी **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सापद्धति** से न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के कई गंभीर रोगियों को अंतिम समय में अपनी दवाएँ देकर उन्हें ना सिर्फ कोमा या ब्रेन ट्यूमर, ब्रेन कैंसर जैसी बीमारी से छुटकारा दिलाया, बल्कि उन्हें हौसला और विश्वास देकर पुन सामान्य जीवन धारा मे लौटाया।

न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर

न्यूरोलॉजिकल रोगों से ठीक हुए विभिन्न लाभान्वित रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा से पूर्व एवं बाद की रिपोर्टस और उनके उदगार























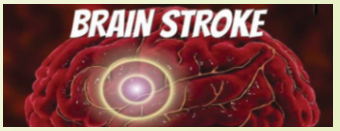



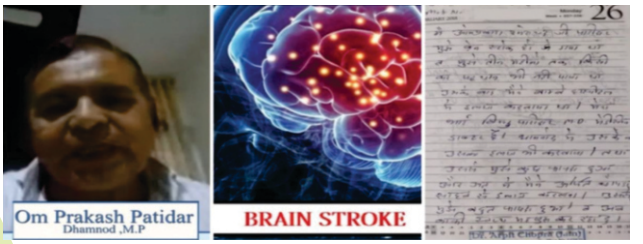

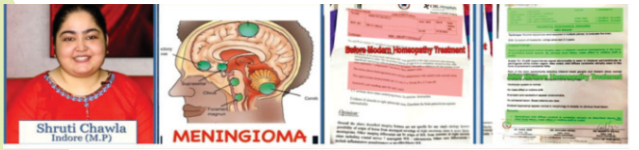

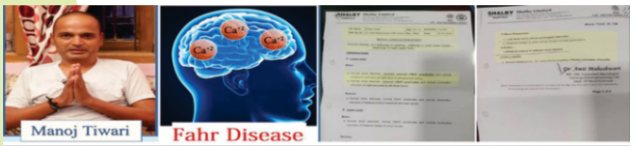

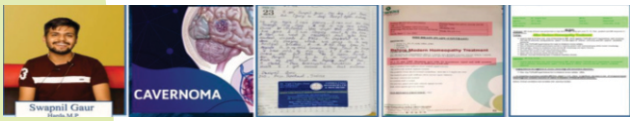



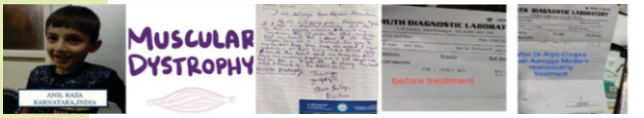

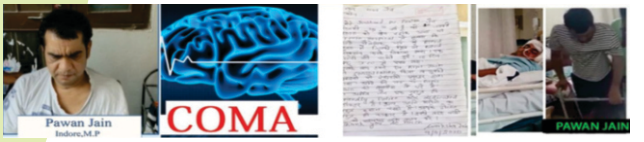





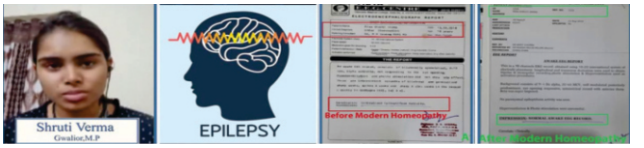

दिल की बीमारी

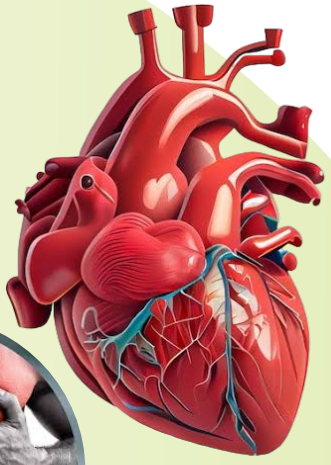







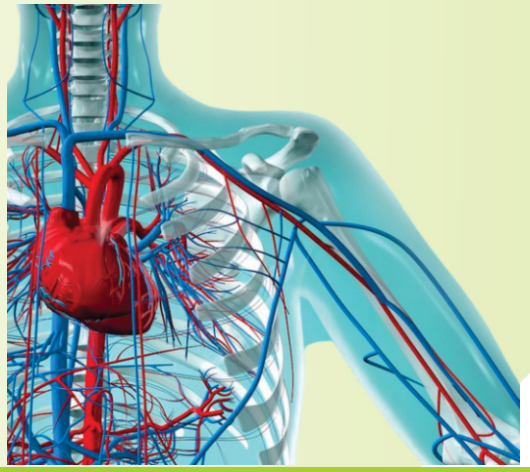

कम उम्र के युवाओं में बढ़ रहे हैं । हृदय रोग।

दिल की बीमारी (हृदय रोग) भारत में ज्यादातर लोगों की मौत का कारण बन गया है। और गंभीर बात तो यह है कि दिल की बिमारियाँ अब कम उम्र के लोगों में भी ज्यादा देखने को मिल रही हैं । एक अध्ययन के अनुसार 1000 लोगों में से लगभग 300 लोगों की मौत, दिल की बीमारी से हो जाती है, इसमें बहुत से युवा भी शामिल होते हैं और यह आंकडें, अगले 26 सालों में दो गुना हो सकते हैं। यह आंकड़े हृदय रोग की स्थिति को व्यक्त करने के लिए काफी हैं। क्या आपको हृदय रोग की पर्याप्त जानकारी है ? या फिर आप भी इसी गलत फहमी में जी रहे हैं, कि आप इस बीमारी से सुरक्षित हैं ? इसी कारण लोगों को हृदय रोग की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए, ताकि वे समय रहते इस समस्या से बच सकें, और बेहतर ज़िदगी जी सके। दिल की बीमारियों में आधुनिक चिकित्सा पद्धति में, उपचार के रूप में व्यायाम, संतुलित डाइट प्लान, नियमित ईसीजी व ब्लड प्रेशर की जांच, तथा नियमित दवाईयों के साथ ही। अंतिम विकल्प के रूप में सर्जरी का सुझाव दिया जाता है।

मगर डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन की आरोग्य सुपर स्पे. चिकित्सा पद्धति ने, दिल से संबंधित बीमारियों के कई गंभीर रोगियों को बिना किसी सर्जरी एवं जीवन भर लेने वाली दवाईयों से बचाते हुए, उनके दिल की स्वस्थ धड़कनों को बनाए रखा हैं।

दिल की बीमारी मुख्य रूप से 4 प्रकार की होती हैं, कोरोनरी आर्टरी डिजीज-दिल का दौरा (Heart Attack) पड़ना, दिल का खराब (Heart Failure) होना, दिल की धड़कनों का, अनियमित रूप से चलना। ज्यादातर लोग दिल की बीमारी को एक लाइलाज बीमारी समझते हैं, इसी कारण वे इससे निजात नहीं पा पाते हैं। मगर वहीं डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन ने अपने 21 साल के चिकित्सकीय अनुभव को ही बेस बनाकर आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से न केवल दिल से संबंधित बीमारियों बल्कि कैंसर, किडनी, कोमा गंभीर लाइलाज ऑटोइम्यून बीमारियां, और कई सर्जिकल बीमारियों पर बिना किसी सर्जरी, बिना किसी साइड इफेक्ट, बिना किसी परहेज के सफल उपचार कर उन्हें सामान्य जीवन लौटाया हैं।

दिल सलामत रहे धडकन चलती रहे,
यह हर चिकित्सक का प्रथम प्रयास होता है।

दिल संबंधी रोगों से ठीक हुई विभिन्नि रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से पूर्व एवं बाद की रिर्पोट्स और उनके उद्गार

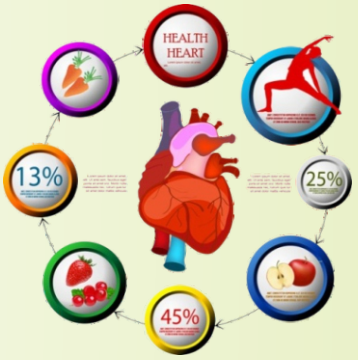

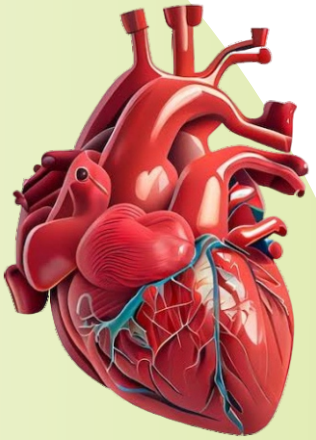





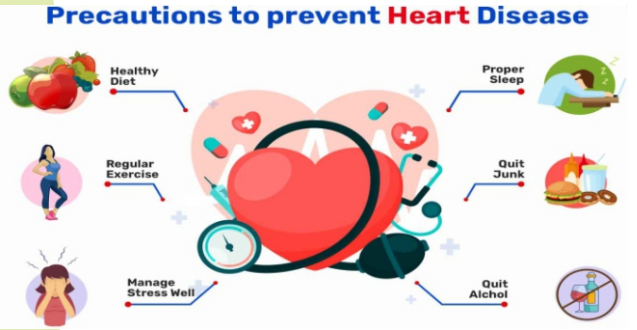



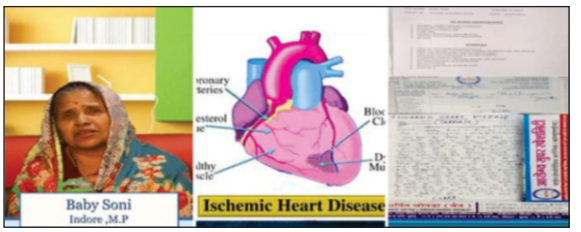



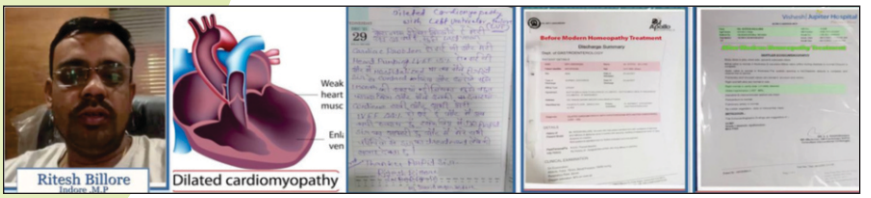

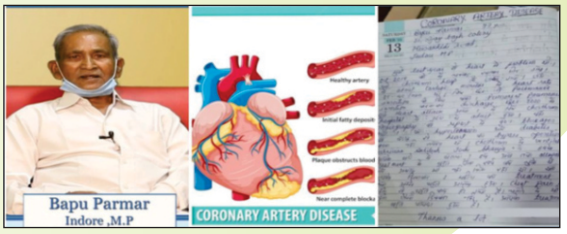

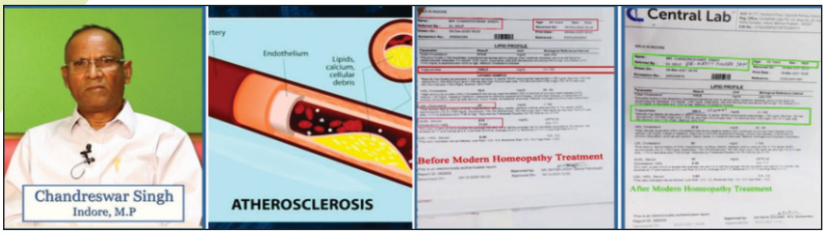

त्वचा विकार

त्वचा हमारे शरीर का सुरक्षा कवच है। और कवच सदैव मजबूत होना चाहिए।







आंख, कान, नाक, जीभ और त्वचा यह 5 ज्ञानेंद्रियां हमारे शरीर में पाई जाती हैं, जिनका सभी का अपने-अपने स्थान पर महत्वपूर्ण कार्य होता है। जो शरीर की अन्य गतिविधियों को संचालित करने में सहयोग करता है। मगर त्वचा एकमात्र ऐसी ज्ञानेंद्री है, जो न सिर्फ हमारे शरीर को वातावरण के तापमान एवं अन्य बदलावों से अवगत कराती है, बल्कि वह हमारे शरीर की सुरक्षा भी कराती है। एक तरह से त्वचा हमारे शरीर का सुरक्षा कवच है, जो किसी बाहरी गतिविधि से सीधे हमारे शरीर को नुकसान होने से बचाता है।

मगर यही त्वचा यदि बीमार हो जाए या संक्रमित हो जाए तो किसी भी सामान्य व्यक्ति का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है। त्वचा विकार या स्किन डिसीजिज के कई प्रकार होते हैं जिनके कारण और लक्षण भी अलग-अलग होते हैं, मगर खुजली, जलन, और लाल चकत्ते होना लगभग सभी विकारों में स्थाई लक्षण होता है।

स्किन डिसीजिज के कुछ प्रकार इस तरह हैं,

जैसे ❖ रुखी या ऑयली त्वचा होने ❖ चिकन पॉक्स यानी छोटी माता
❖ एग्जिमा ❖ रोशिया -जिसमें चेहरा लाल हो जाता है,
❖ डर्मेटाइटिस ❖ सोरायसिस ❖ सफेद दाग
❖ ल्यूकोडरमा या विटिलिगो ❖ त्वचा का कैंसर
❖ तिल ❖ मुंहास ❖ मस्से ❖ दाद ❖ खाज
❖ खुजली ❖ फोड़े ❖ चकत्ते
❖ बेसल सेल कार्सिनोमा ❖ डेरिअर्स डिजीज
❖ नाखूनों में होने वाले फंगल इनफेक्शन
❖ केलाइड ❖ मेलानोमा ❖ मेलास्मा,
ऐसे कई अन्य त्वचा संबंधी बीमारियाँ है
जिन्हें मुख्यतः स्किन डिजीज में पाया जाता है।

Pimple Types

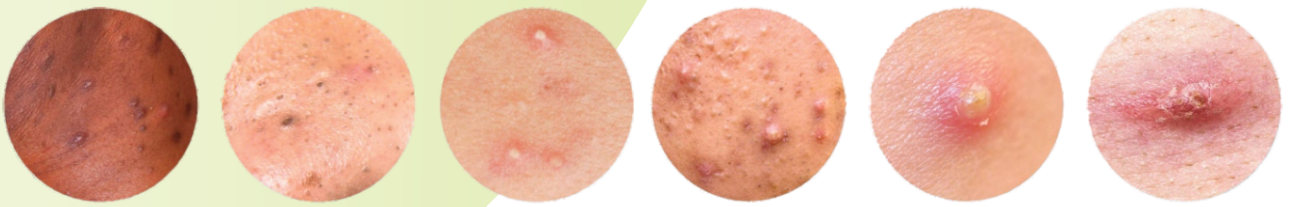

Papules Blackheads Whiteheads Nodules Pustules Cysts

त्वचा संबंधी रोगो में ठीक हुए विभिन्न रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से पूर्व एवं बाद की रिपोर्टस उद्गार







एलोपैथी चिकित्सा में इन बिमारियों को ऊपर से दबाने के लिए एंटी एर्लिजिक और स्टेरायड युक्त दवाईयाँ दी जाती हैं। कुछ परिस्थितियों में ऊपर से लगाने की मल्हम या ट्यूब दे दिए जाते हैं। पर इन्हे अंदर से जड़ से खत्म करना असंभव बता दिया जाता है। परंतु इसी तरह के लाइलाज त्वचा रोगों के लिए **डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** ने अपने 21 वर्षा के चिकित्सकीय अनुभव एवं प्रयासो के माध्यम से **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** का संस्थापन किया है जिससे अभी तक वह चर्म रोगों के कई लाइलाज एवं संक्रमित लोगों का सफल उपचार कर चुके हैं। तथा वे लोग आज बिना किन्ही दवाईयों की निर्भरता के अपना स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

देखिए कुछ ऐसे ही खुशहाल लोगों की पहले व बाद की रिपोर्ट्स और उद्गार जिन्होंने डॉक्टर **अर्पित चोपड़ा जैन** के प्रयासो से निर्मित **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को** अपनाया और अपने लाइलाज चर्म रोगों को पूरी तरह से ठिक कर छुटकारा पाया।

एलर्जी

एलर्जी से बचकर जीना इलाज नहीं, बल्कि पूरी तरह ठीक होकर जीवन जीना ही सही इलाज है। क्योंकि जीवन जीने के लिए है। काटने के लिए नहीं।

एक व्यक्ति के जन्म से लेकर उसके अंतिम समय तक उसे बहुत सी बीमारियाँ और समस्याएँ हो सकती हैं। कुछ समस्याएँ ऐसी होती हैं जो दवाओं से ठीक हो जाती हैं, लेकिन कुछ बीमारियाँ ऐसी भी है जो कि दवाएं लेने पर भी ठीक नहीं होती। लेकिन कुछ समय के लिए उस खास समस्या या बीमारी से राहत जरूर मिल जाती है। ठीक ऐसी ही समस्या अथवा बीमारी है एलर्जी। एलर्जी एक ऐसी बीमारी है, जो कि एक बार किसी व्यक्ति को हो जाए, तो उम्र भर उसके साथ रह सकती है। कुछ ही मामलों में व्यक्ति को एलर्जी से छुटकारा मिलता है। देखने, सुनने में एलर्जी एक छोटी सी समस्या नज़र आती है, लेकिन जिस व्यक्ति को होती है, उससे पूछा जाए तो इसकी वजह से उसकी जान पर भी बन आती है।



उदाहरण के लिए अगर किसी व्यक्ति को किसी खास खाने की चीज़ से एलर्जी है, और अगर उसे वो खाने के लिए दी जा सकती, है तो उससे उस व्यक्ति को कई शारीरिक समस्याएँ होने के साथ-साथ उसकी जान भी जा सकती है। आपने कई बार ऐसा फिल्मो में भी देखा होगा। वैसे अभी भी एलर्जी के बारे में लोगों को बहुत कम जानकारी है, एलर्जी कई प्रकार की हो सकती है। और कई कारणों से हो सकती है। जैसे एलर्जिक रायनाइटिक, रायनाइटिक, साइनोसाइटिस, टॉन्सिलाइटिस, अस्थमा जैसी स्वांस जनित ऐसी एलेर्जिक बीमारियाँ हैं, जो धूल, सर्दी, गर्मी, या वातावरण में परिवर्तन के कारण हो सकती हैं। ऐसे ही धूल, धूप, मॉइश्चर आदि के प्रदूषित वातावरण के कारण फंगल इन्फेक्शन, सोरियासिस, एक्जिमा, एक्ने, डरमिटाइटिस आदि त्वचा रोग भी एलर्जी के कारण हो सकते हैं । एलोपैथी चिकित्सा पद्धति में पैथोलॉजी जाँच के बाद अलग-अलग प्रकार की एलर्जी के लिए अलग-अलग प्रकार की, लगाने और खाने की दवाएं दी जाती है। जिनमें स्टेरॉइड्स भी सम्मिलितहोते हैं, जो लम्बे समय तक सेवन करने के कारण शरीर के अन्य अंगों को नुकसान पहुँचाने लगते हैं। ज्यादातर मामलों में अभी तक इसका कोई स्थाई इलाज संभव नहीं हो पाया है। और कहा जाता हैं कि एलर्जी की बीमारी यदि किसी को हो जाए, तो वह लाइलाज होकर जीवन भर तकलीफ ही भोगता है। मगर **डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** की **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** से, किसी भी प्रकार की एलर्जी में, बहुत ही कम समय में, बिना किसी साइड इफेक्ट, बिना किसी परहेज के बहुत ही कम खर्च में, पूरी तरह से स्थाई इलाज किया जा सकता है। और जीवन भर दवाईयों की निर्भरता से छुटकारा पाकर सामान्य खुशहाल जीवन जिया जा सकता है। ऐसे कई उदाहरण नजीर बनकर हमारे सामने है। और एलर्जी संबंधी ऐसे कई रोगी, आज अपना स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जी रहे हैं।

रोगी के शरीर को प्रकृति के अनुकूल स्वस्थ रखना ही चिकित्सक का प्रथम उद्देश्य होता है।

एलर्जी संबंधी रोगों से ठीक हुए विभिन्न रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा से पूर्व एवं बाद की रिपोर्टस और उनके उद्गार












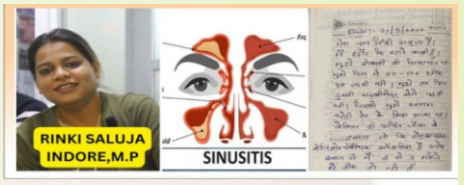







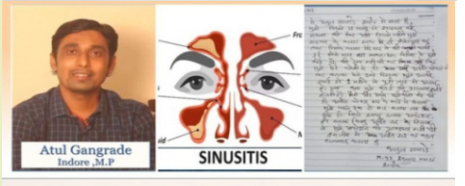



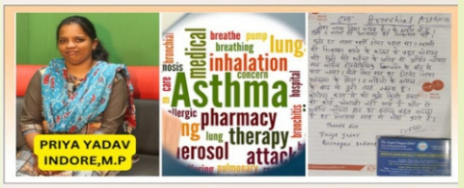





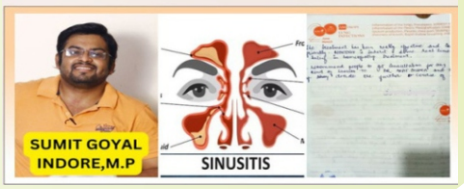



महिलाओं संबधित बीमारियां

महिला समाज की धूरी है, उनका स्वस्थ रहना सबसे जरुरी हैं।



महिलाएं हमारे समाज की धूरी होती हैं, हमारे घर परिवार और समाज का पूरा ताना-बाना महिलाओं के आसपास ही बुना होता है।

अगर यूं कहें कि महिलाएं ही हमारी शक्ति का केंन्द्र होती हैं जहाँ से पूरी मानव जाति को शक्ति मिलती है।

मगर यदि शक्ति का केंन्द्र ही अव्यवस्थित हो जाए, यदि शक्ति ही कमजोर हो जाए तो ना सिर्फ एक परिवार बल्कि पूरा समाज ही कमजोर हो जाता है।

वैसे तो कोई भी बीमारी किसी भी व्यक्ति को किसी उम्र में हो सकती है, मगर पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की शारीरिक समस्याएं अधिक जटिल एवं पीड़ा दाई होती हैं।

क्योंकि महिलाओं में सहनशक्ति अधिक होती है, और पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते हुए भी वह अपनी समस्याओं को इग्नोर करते हुए अपना काम करती रहती हैं।

इस कारण कभी-कभी ऐसी समस्याएं या बीमारी जटिल एवं गंभीर रूप ले लेती हैं। महिलाओं में सामान्य रूप से होने वाली जटिल एवं गंभीर बीमारियों में प्रमुख रूप से

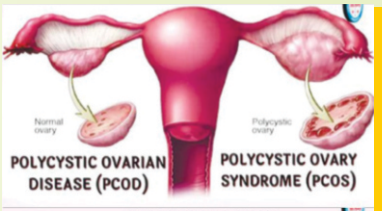

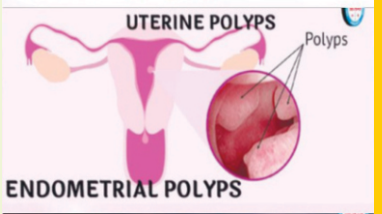

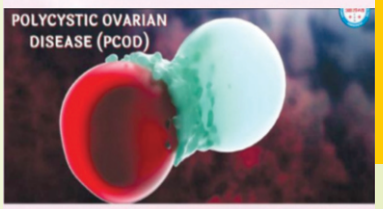

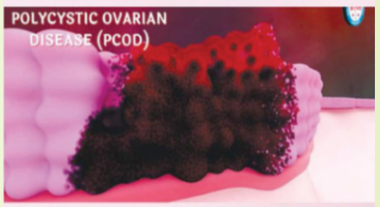



- ब्रेस्ट कैंसर
- ओवेरियन सिस्ट
- फीमेल इनफर्टिलिटी
- यूटेराइन फाईब्रॉइड
- यूटेराइन पॉलीप्स
- एंडोमेट्रियल पॉलीप्स
- सर्वाइकल कैंसर
- फैलोपियन ट्यूब ब्लॉकेज
- ओवेरियन कैंसर
- बल्की यूटरस
- पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज



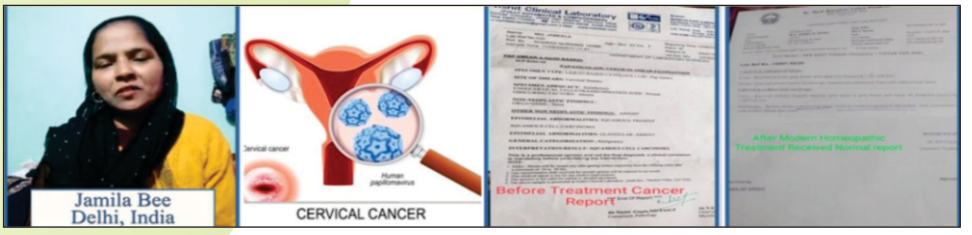



एक महिला का स्वास्थ्य पुरे समाज के स्वास्थ्य का निर्माण करता है।

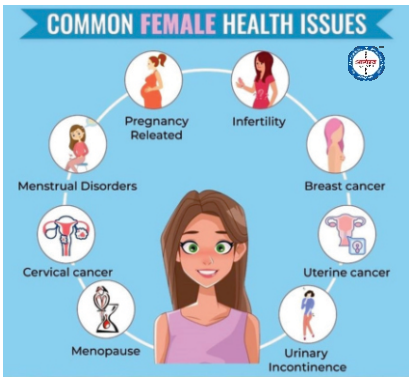

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंडोम आदि शामिल हैं। एलोपैथी चिकित्सा में ज्यादातर इन बिमारियों के इलाज के लिए कुछ दवाईयाँ, स्टेरॉइड्स, कीमोथेरेपी, रेडिओथेरेपी या सर्जिकल ऑप्शंस दे दिए जाते हैं। मगर **डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** ने, इस तरह की बिमारियों के सब जगह से हताश, निराश और ना उम्मीद लोगों को, न सिर्फ पूरी तरह से स्वस्थ किया बल्कि उनके जीवन में खुशियों की नई बहार लाकर, उन्हे एक सम्पूर्ण पारिवारिक खुशहाल जीवन दिया है।

महिला संबंधी रोगों से ठीक हुए विभिन्न रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉर्डन होम्योपैथी चिकित्सा से पूर्व एवं बाद की रिपोर्टस और उनके उद्गार

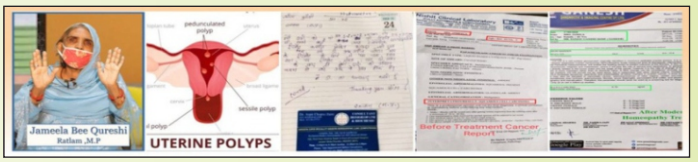

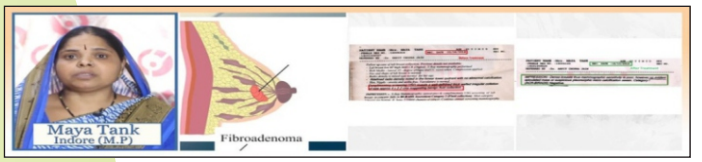

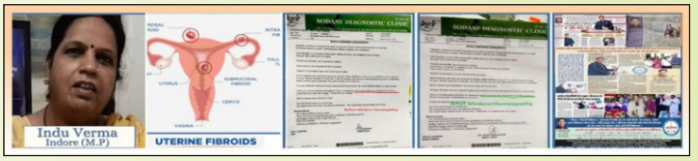

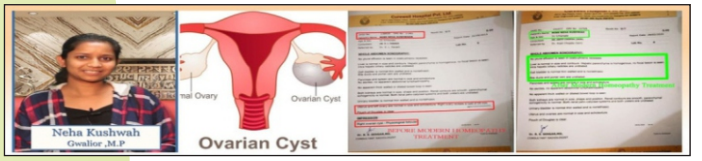

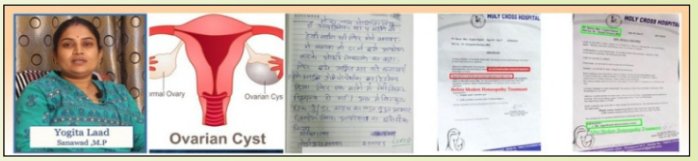



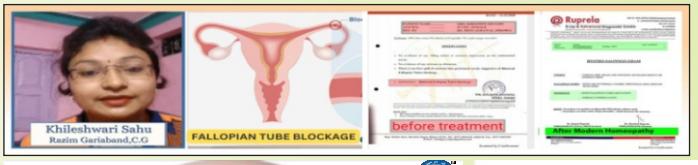

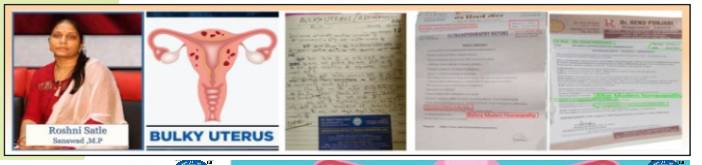









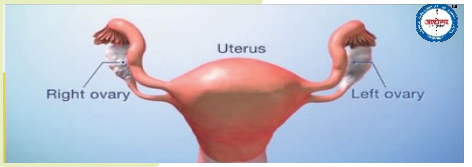





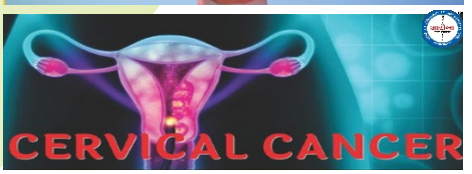



यूरोलॉजिकल डिसीज



मूत्र रोग सामान्य जीवन को असहज और पीड़ादायी बना देते हैं।

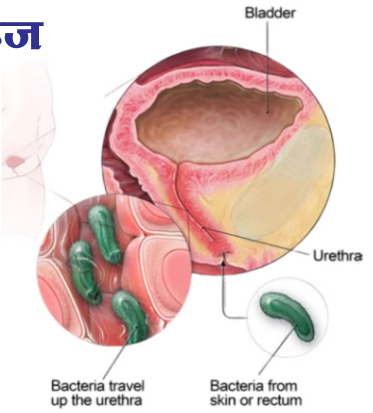

यूरोलॉजिकल डिजीज यानी मूत्र संबंधी रोग सीधे-सीधे हमारे यूरिनरी टैक्ट यानी मूत्र मार्ग, जैसे किडनी, यूट्रस, ब्लैडर वगैरह में होने वाली समस्याओं से पैदा होते हैं। मूत्र संबंधी रोग किसी भी महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्गों को किसी भी उम्र में हो सकते हैं।

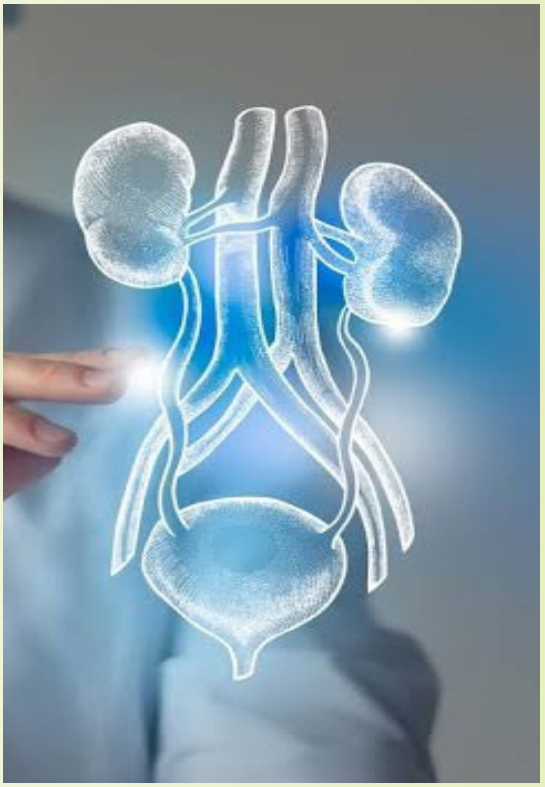

पुरुषों में, जहाँ मूत्र रोग विशेष रूप से, पौरुष ग्रंथि यानी प्रोस्टेट, प्रोस्टेट कैंसर, गुर्दे की पथरी अर्थात किडनी स्टोन, मूत्राशय, लिंग, अंडकोष और अधिवृक्क ग्रंथियों के कैंसर तथा बढ़े हुए पौरुष ग्रंथि या प्रोस्टेटाइटिस, स्क्रोटल सिस्ट, वेरीकोसिल, पेरोनी डिसिज आदि के रूप में पाए जाते हैं, वही महिलाओं में यूरिनरी टैक्ट इनफेक्शन (UTI) अथवा यूरिनरीफ टैक्ट डिसीज (UTD) के साथ ही सिस्टाइटिस जैसे और गंभीर मूत्र रोग पाए जाते हैं।

ज्यादातर चिकित्सक मूत्र रोग विकारों यानी यूरिनरी टैक्ट इनफेक्शन (UTI) अथवा यूरिनरी टैक्ट डिसीज (UTD) का लक्षण एवं गंभीरता के आधार पर प्रारंभिक उपचार करते हैं । मगर सफलता न मिलने पर मूत्र रोग विशेषज्ञ, या यूरोलॉजिस्ट से मिलने की सलाह देते हैं। जो रोगी की अवस्था पर उन्हें पेन किलर, एंटीबायोटिक एवं स्टेरॉयड वाली दवाईयाँ देते हैं। और अंत में इन सबसे भी सफलता ना मिलने पर सर्जरी, कीमोथैरेपी, रेडियोथैरेपी आदि की सलाह दी जाती है। मगर वहीं सेंटल इंडिया के मशहूर होम्योपैथी **प्रोफेसर डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** ने, अपनी 21 वर्षो के चिकित्सा अनुभव से तैयार की गई, **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** द्वारा, मूत्र रोग संबंधी कई महिला एवं पुरुष रोगियों को बिना किसी सर्जरी, बिना किसी साइड इफेक्ट, बिना किसी परहेज के कम खर्च और कम समय में पूरी तरह स्वस्थ किया और उन्हें अपना सामान्य जीवन लौटाया है।



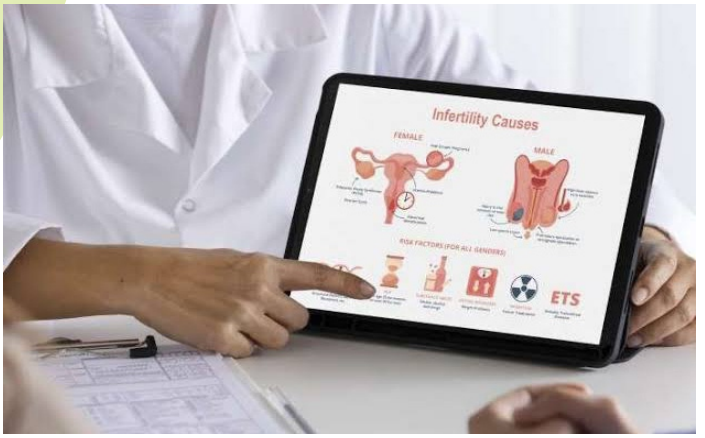

विकारों से मुक्त स्वास्थ्य ही, एक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है।

मूत्र रोग, युरोलॉजी रोगों से ठीक हुए विभिन्न रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति से पूर्व एवं बाद की रिपोर्टस और उनके उद्‌गार



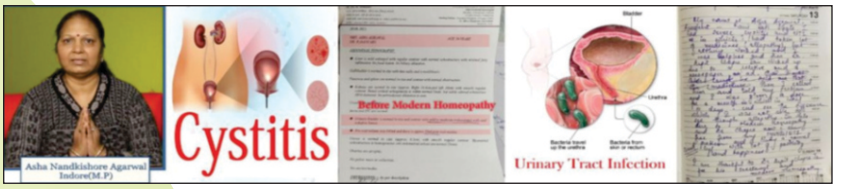



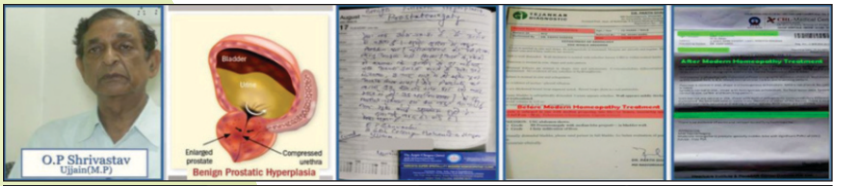



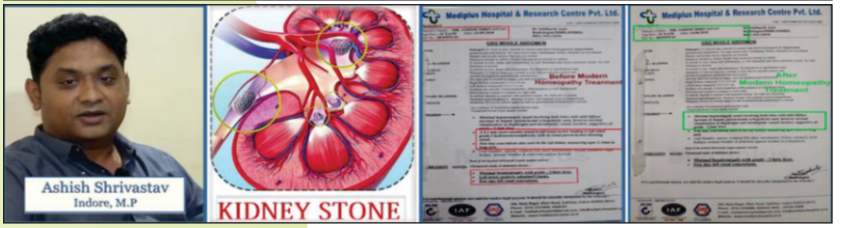



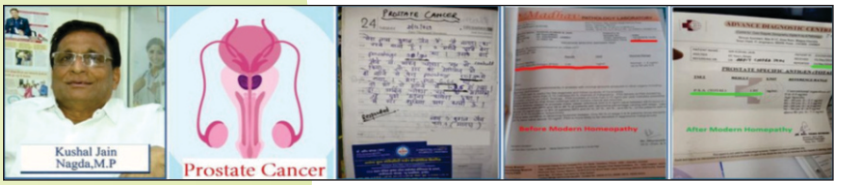





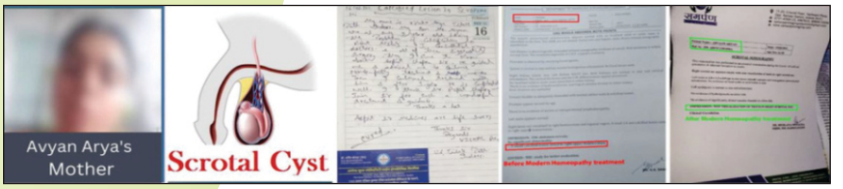



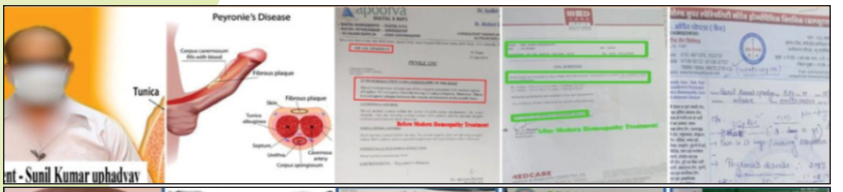

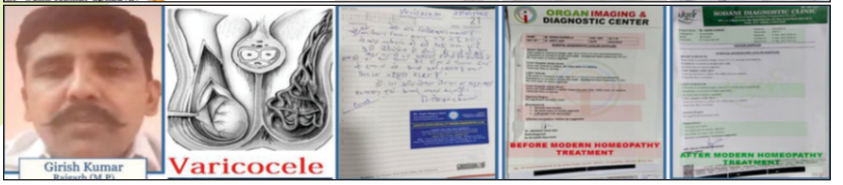

गैस्ट्रिक प्रॉब्लम



गैस जैसी छोटी समस्या, बड़ा गंभीर रुप भी ले सकती है।

गैस्ट्रिक की परेशनी दुनिया की सबसे आम समस्या है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, 40 की उम्र के बाद गैस्टिक समस्याएं होने लगती हैं। जल सूजन या पेट की आईनिंग का कटना, ये सभी गैस्टिक समस्याओं के रूप हैं। पाचन की प्रक्रिया में गैस का बनना अनिवार्य होता है, जो कई तरह से उत्पन्न होता है। लेकिन जब गैस शरीर से बाहर नहीं निकल पाती है, और एसिड पेट की लाईनिंग के संपर्क में आता है, तो उससे काफी परेशानी पैदा होती हैं। विशेषकर गैस्टोइंस्टेस्टाईनल बीमारियों का जन्म होती है।

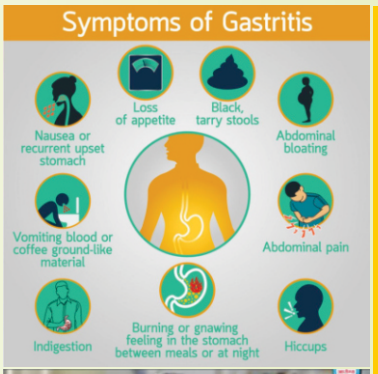











- क्रोनिक पैंक्रियाटाइटिस
- फैटी लिवर
- गॉलब्लैडर स्टोन
- हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (एचसीसी)
- गैस्टोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज (गर्ड)
- लिवर सिरोसिस
- अल्सरेटिव कोलाईटिस
- एनल फिशर
- इर्रिटेबल बाउल सिंडोम (आईबीएस)
- सीलिएक डिजीज जैसी कई गैस्टिक बीमारियाँ हैं।

जिनसे कई लोग परेशान हैं। बड़े हों या बच्चे, वे लाइफ स्टाइल के चलते, इस समस्या से जूझ रहे हैं। सुनने में गैस की समस्या कोई बड़ी नहीं लगती है, लेकिन जो इसे झेलता है वही इससे होने वाली परेशनियों को जान सकता है। कई बार छोटे बच्चों को भी गैस की समस्या होने लगती है। ऐसी स्थिति में वे बहुत रोते हैं। **पेट में गैस बनने की बड़ी वजह खान-पान में गड़बड़ी, बहुत ज्यादा भोजन का सेवन, ज्यादा देर तक भूखे रहना, तीखा या चटपटा खाना, देरी से पचने वाला भोजन खाना,** खाने को सही से चबाकर न खाने की वजह से अक्सर गैस की समस्या होने लगती है। ज्यादा चिंता करना, शराब पीना और कुछ स्थितियों में दवाओं के अत्यधिक सेवन के कारण भी गैस की समस्या गंभीर रूप ले लेती है। जिनका एलोपैथी चिकित्सा पद्धित में या तो स्थाई इलाज असंभव है, या फिर लंबे समय तक दवाईयों के सहारे जीवन जीने की मजबूरी बताई जाती है। परंतु **प्रोफेसर डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन** ने अपने 21 वर्षो के चिकित्सकीय अनुभव और उन्नत तकनीक से, पेट रोग एवं गैस से संबंधित कई गंभीर रोगियों को, अपनी **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** से, बिना किसी साइड इफेक्ट, बिना किसी परहेज तथा कम खर्च, व कम समय में स्थाई इलाज देकर, उन्हें पुनः एक सामान्य जीवन लौटाया है।

गेस्टिक संबंधी रोगों से ठीक हुए विभिन्न रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी पद्धति चिकित्सा से पूर्व एवं बाद की रिपोर्टस और उनके उद्गार















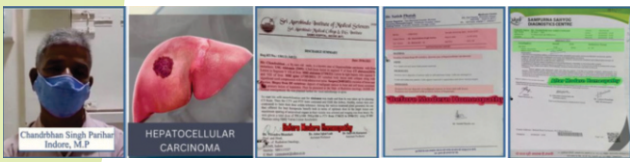



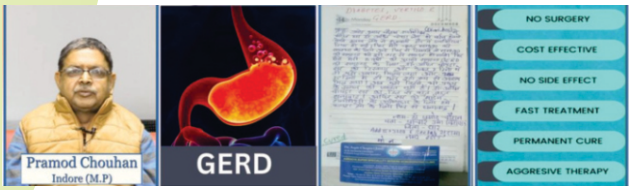

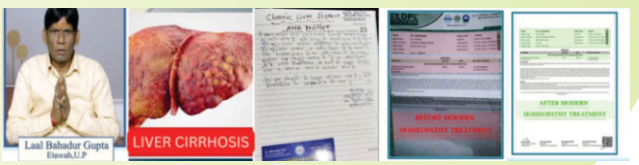

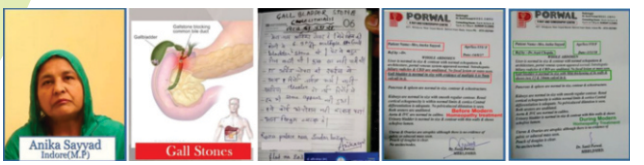



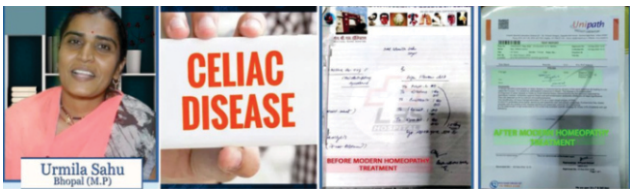

जीवन भर दवाइयों पर निर्भर रहने वाली बीमारियां



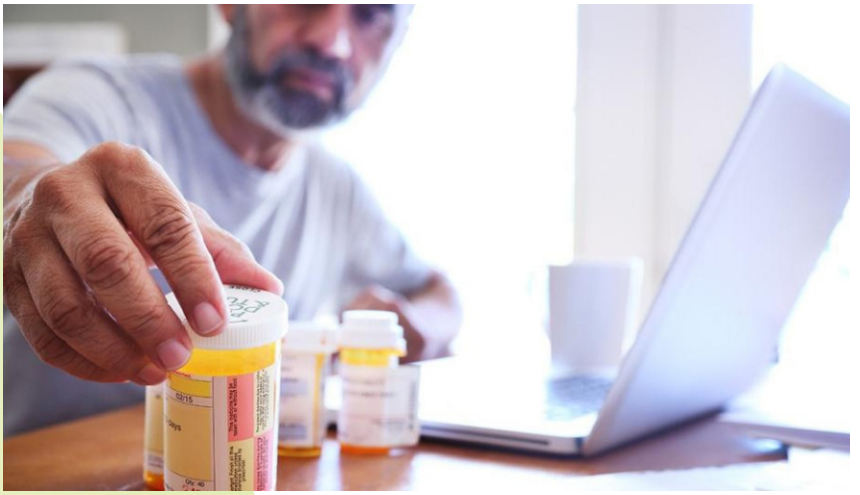



दवाइयों की निर्भरता वाला जीवन, व्यक्ति के आत्म निर्भर होने में बाधक है।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और लाइफस्टाइल के कारण हम में से, लगभग 90% लोग किसी न किसी बीमारी से ग्रसित होते हैं। इनमें से अधिकांश बीमारियां हमारी लाइफस्टाइल यानी दिनचर्या की वजह से हमें घेर लेती है। जिनका कोई स्थाई इलाज या समाधान नहीं होता, और उन से राहत पाने के लिए, जिंदगी भर दवाइयों का सेवन करना पड़ता है। कुछ बीमारियां हमें वंशानुगत या किसी दुर्घटना के कारण भी हो सकती हैं,

जिनके लिए लाइफटाइम ड्रग डीपेंडेंसी की नौबत आ सकती है।

❖ हाइपोथाइरॉएडिज्म ❖ डायबिटीज ❖ हाइपरटेंशन ❖ माइग्रेन ❖ एपिलेप्सी ❖ पी सी ओ डी ❖ डाइसलिपिडेमिया आदि

ऐसी कई बीमारियां हैं, जिनमें एलोपैथी या अन्य चिकित्सा पद्धतियों द्वारा इन बिमारियों को लाइलाज बताते हुए जिंदगी भर दवाइयां लेने की मजबूरी बताई जाती है।

मगर इंदौर मध्य प्रदेश के मशहूर असाध्य, जटिल एवं शल्य रोग होम्योपैथिक विशेषज्ञ **प्रोफ़ेसर डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** ने अपने 21 सालो के चिकित्सकीय अनुभव एवं प्रयासो से तैयार की गई **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** के माध्यम से ऐसे कई लाइलाज, गंभीर, हताश एवं निराश रोगियों को पूरी तरह ठीक कर, बिना किन्ही दवाईयों के सहारे जीवन की नई राह दिखाई है।





ऐसी ही बिमारियों में लाभान्वित रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉर्डन होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से पूर्व एवं बाद की रिपोर्टस और उनके उद्गार

















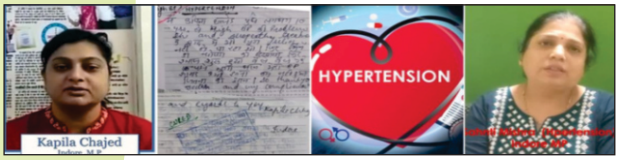



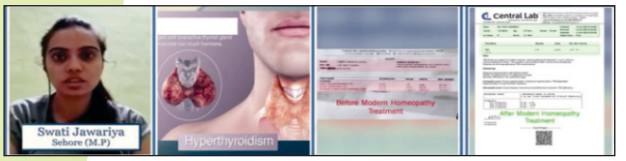

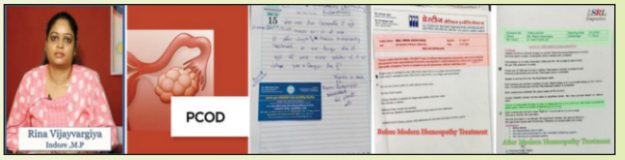

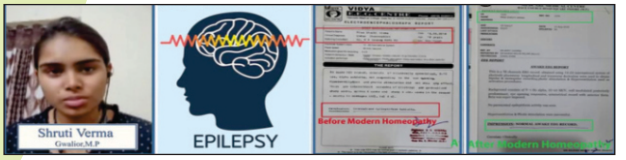

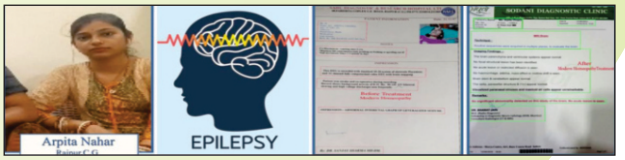

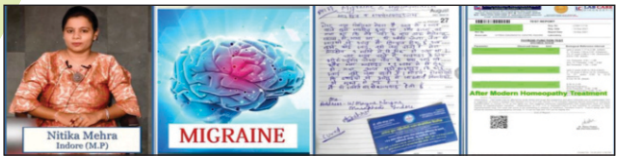

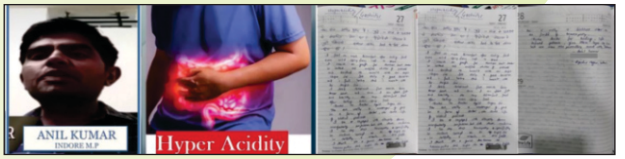



ऐसी ही बिमारियों में लाभान्वित रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉर्डन होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से पूर्व एवं बाद की रिपोर्टस और उनके उद्गार







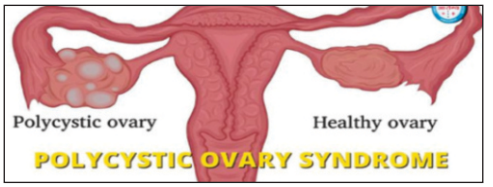





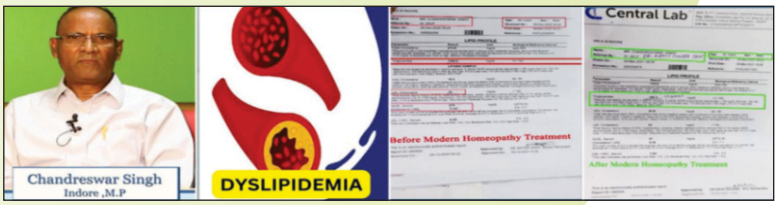



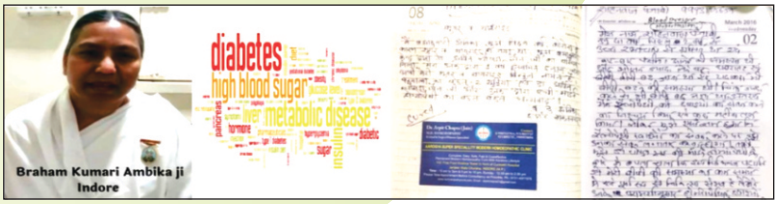



रूमेटोलॉजिकल बीमारी

रूमेटोलॉजिकल बीमारियों में रामबाण सिद्ध हुई, आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पध्दति





कई लोगों को हाथ पैर कमर व शरीर के अन्य जाड़ों में लगाकर दर्द बना रहता है, जिसे कुछ लोग दर्द निवारक या पेन किलर दवाइयां लेकर, उससे कुछ समय के लिए राहत पा लेते हैं। मगर इस तरह का हडिड्यों, जोडों या मसल्स का दर्द लगातार बना रहे तो यह गंभीर रुमेटोलॉजी बीमारी के लक्षण हो सकते हैं। जानकारी के अभाव में कई लोग लंबे समय तक इस दर्द को सहते रहते हैं, और आगे जाकर उन्हें गंभीर रुमेटोलॉजी रोग घेर लेते हैं, जिनके लिए जिंदगी भर दवाइयां लेने की बाध्यता हो जाती है। मगर समय रहते यदि इन बीमारियों की जांच कर इनका निदान कर दिया जाए तो हम इस अवस्था से बच सकते हैं।

रुमेटोलॉजी मेडिकल साइंस में एक सब स्पेशलिटी डिवीजन है जिसमें प्रमुख रूप से आर्थराटिस, सॉफ्ट टिशु रूमेटिज्म और ऑटोइम्यून बीमारियां सम्मिलित होती हैं।

रुमेटोलॉजी रोग सिर से पैर तक शरीर के हिस्से को प्रभावित कर सकते हैं। यह सामान्यत: बुखार या रैशेस के रूप में शुरू हो सकते हैं।

आर्थराइटिस, रूमेटाइड आर्थराइटिस, अर्थात घुटनो का आर्थराइटिस, गठिया, एन्कोलाइजिंग स्पॉन्डिलाटिस, फाइब्रोम्याल्जिया, हाशिमोटो थाइरॉएडाइटिस, सोराइटिक आर्थराइटिस, या (एस.एल.ई) डिजीज जैसी कई गंभीर बीमारियां हैं, जो रूमेटोलॉजी के अंतर्गत आती हैं।

एलोपैथी चिकित्सा पद्धति में इनमे से कई बिमारियों को लाइलाज घोषित किया जा चूका है, फिर भी इनके निदान के लिए एलोपैथी चिकित्सा में पेन किलर्स, एंटीबॉयटिक और स्टेरॉयड युक्त दवाइयां लम्बे समय तक दी जाती हैं। अंत में गंभीर परिस्थिति में ऑपरेशन या सर्जरी का प्रयोग किया जाता है। मगर **डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** की **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** ने,बिना किसी साइड इफेक्ट, बिना किसी परहेज के कम समय और कम खर्च में बेहतरीन परिणाम दिए हैं। तथा लाइलाज समझे जाने वाली इन बीमारियों को, पूरी तरह जड़ से समाप्त कर, ऐसे रोगियों को पुनः सामान्य एवं स्वस्थ जीवन दिया है।





रुमेटोलॉजी बिमारियों में ठीक हुए विभिन्न रोगियों की आरोग्य स्पेशलिटी मॉर्ड्न होम्योपैथी चिकित्सा से पूर्व एवं बाद की रिपोर्टस और उनके उद्गार







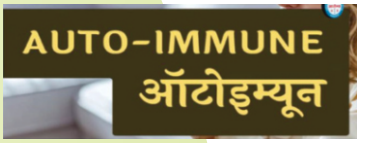

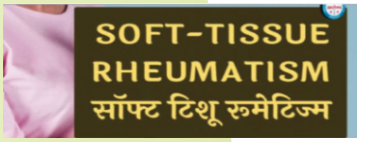



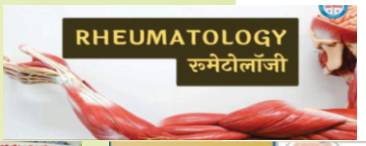





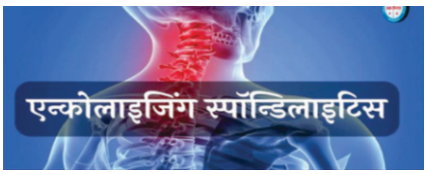







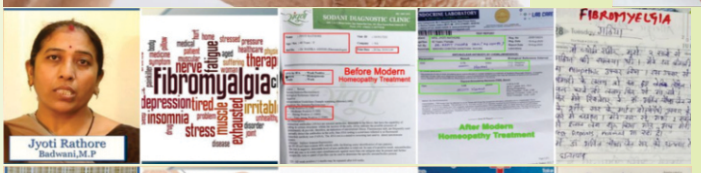



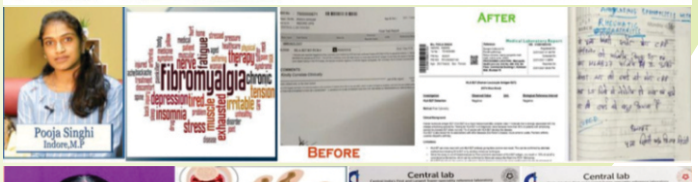







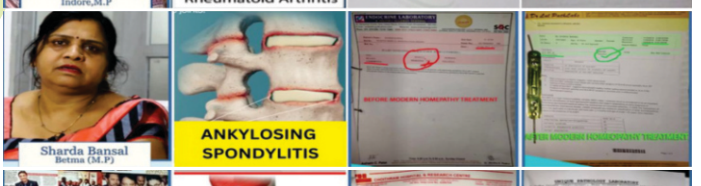



एक्यूट डिजीज



सामान्य बिमारियों में भी तुरंत असर करती है। आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति

हमेशा हर किसी को कभी न कभी किसी न किसी सामान्य बीमारी या एक्यूट डिजीज का सामना करना ही होता है। हमारे शरीर में कोई रोग होता है तब शरीर के एक अथवा अनेक अंगों एवं तंत्रो में क्रिया अथवा संरचना में खराबी दिखने लगती है। यह बदलाव रोग के लक्षण दर्शाते हैं, जैसे सिरदर्द, खाँसी, दस्त हमें शरीर में बीमारी का संकेत देते हैं, जैसे किसी घाव में पस आना आदि ऐसे कई लक्षण है जो हमें बताते हैं, कि हमारा शरीर रोग ग्रस्त है। लेकिन इनसे यह नहीं पता चल पाता कि हमें विशेषत: कोन सा रोग है, उदाहरण के लिए सिरदर्द का कारण कोई भय अथवा मेनिनजाइटिस हो सकता हैं। रोग के चिन्ह वह होते हैं जिन्हे चिकित्सक लक्षणों के आधार पर देखते हैं। लक्षण किसी विशेष रोग के बारे में सुनिश्चित संकेत देते हैं, ऐसे में चिकित्सक रोग के सही कारण को जानने के लिए प्रयोगशाला में कुछ परीक्षण भी करवा सकते हैं।

रोगों की अभिव्यक्ति भिन्न भिन्न हो सकती है, और यह कई कारकों पर निर्भर करती है। कुछ रोगों की अवधि कम होती है, जिन्हे हम तीव्र रोग या एक्यूट डिसीज कहते हैं। हम सभी ने अनुभव किया है कि, खांसी, जुकाम, बुखार या सिर दर्द जैसे रोग बहुत कम अवधि तक होती हैं। मगर कई अन्य ऐसे रोग हैं जो लंबी अवधि तक अथवा जीवन पर्यंत रहते हैं। उन्हें क्रॉनिक डिजीज या दीर्घकालिक रोग कहते हैं। कभी-कभी एक्यूट डिसीज भी सही इलाज ना हो पाने के कारण, क्रॉनिक डिजीज में परिवर्तित हो जाते हैं। थायराइड, डेंग्यू, मलेरिया, वायरल फीवर, टॉन्सिलाइटिस, सोरथ्रोट, डायरिया, उल्टी या वोमेटिंग, फूड प्वाइजनिंग, ज्वाइंडिस, यूटीआई, चिकनगुनिया आदि ऐसे कई रोग हैं, जो सामान्य रोगों की श्रेण में आते हैं। ज्यादातर लोग सामान्य रोगों के इलाज के लिए, एलोपैथी दवाइयों का सहारा लेते हैं। और उन्हें तात्कालिक राहत मिल जाती है।

परंतु यही सामान्य रोग यदि बार –बार होने लगे, तो यह गंभीर बीमारी या क्रोनिक डिजीज में भी बदल सकते हैं ज्यादातर लोगों का मानना है कि, सामान्य रोगों में होम्योपैथिक दवाईयां धीरे या कम असरकारक होती है मगर इस मिथक को तोडते हुए सेंट्रल इंडिया के मशहूर होम्योपैथिक डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन ने अपने 21 वर्षों के मेडिकल प्रैक्टिस और प्रयासो के आधार पर तैयार की गई आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के माध्यम से ऐसे कई सामान्य रोगों या एक्यूट डिजीज पर सफलतापूर्वक एवं तुरंत स्थाई परिणाम दिए हैं और ऐसे रोगियों को तुरंत स्वस्थ कर उन्हें सामान्य जीवन दिया है।



सामान्य रोगों के ठीक हुए विभिन्न रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा से पूर्व एवं बाद की रिपोर्टस और उनके उद्गार















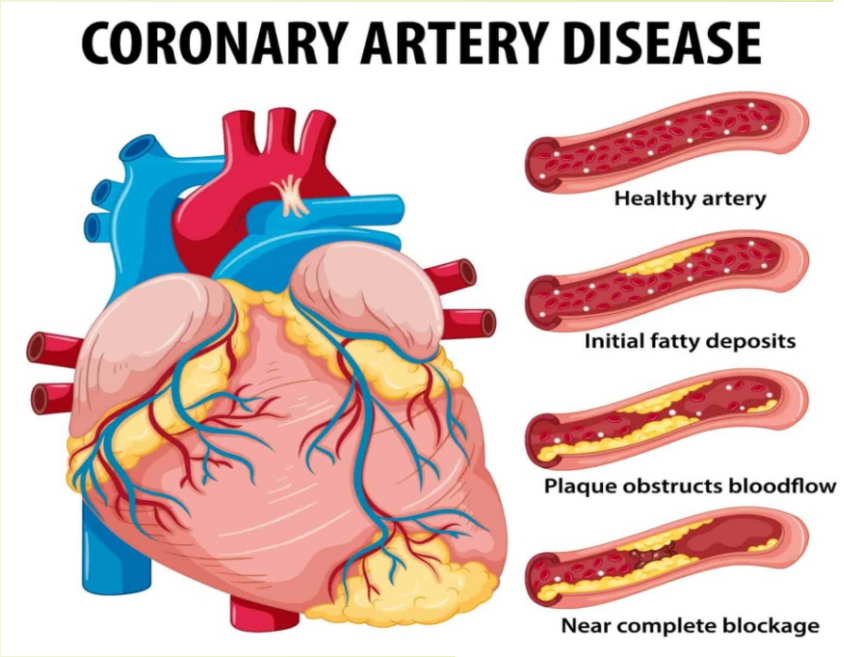

सामान्य रोगों के ठीक हुए विभिन्न रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा से पूर्व एवं बाद की रिपोर्ट्स और उनके उद्गार

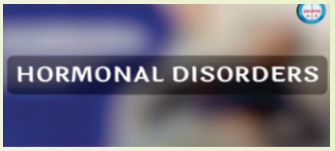



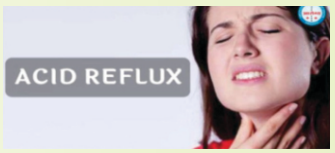









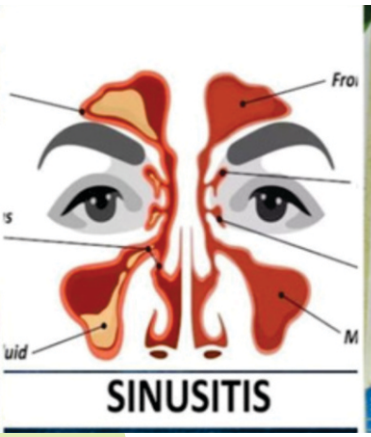

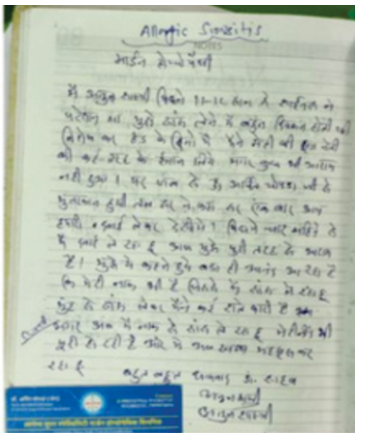



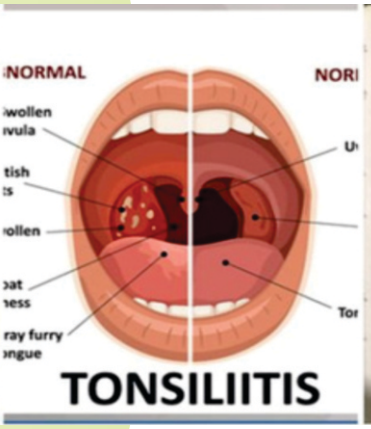

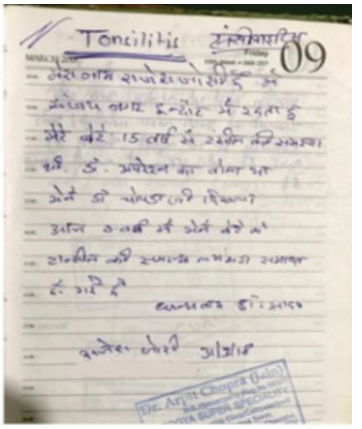



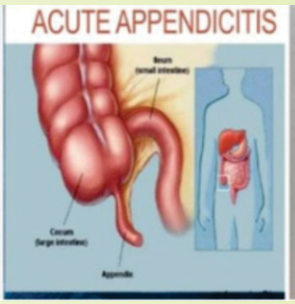

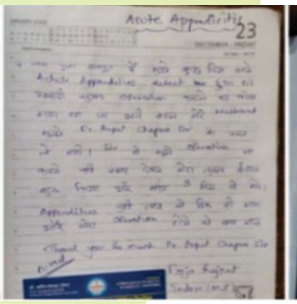

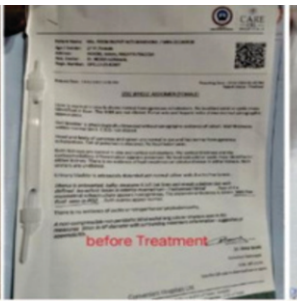





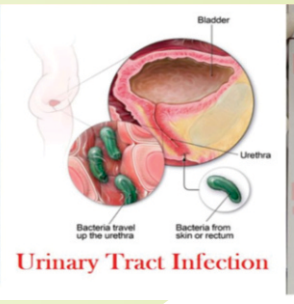

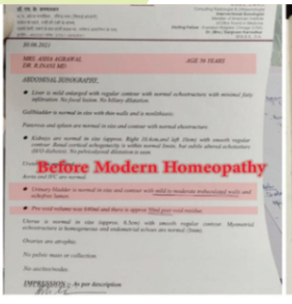

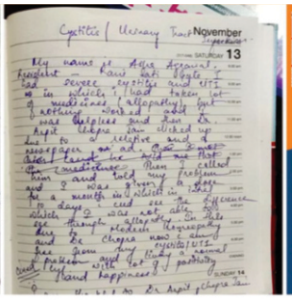



शिशु रोग

बच्चे भगवान का रुप हैं, और कोई नहीं चाहता कि वो बीमार रहें।



बाल रोग अथवा शिशु रोग चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है, जहां पर नवजात शिशु से लेकर 21 साल की उम्र तक के वयस्कों की चिकित्सा देख भाल शामिल है। सामान्यतः नवजात शिशुओं, किशोरों एवं वयस्कों में सर्दी, खाँसी, बुखार, पीलिया, निमोनिया, डायरिया, उल्टी दस्त, जैसी सामान्य बीमारियां प्रायः देखने को मिलती हैं। जिनके लिए विशेष रुप से, शिशु रोग विशेषज्ञ यानी पीडियाटिक्स से संपर्क किया जाता है। परंतु शिशु अवस्था से लेकर युवावस्था तक कई रोग ऐसे होते हैं, जिन्हें शिशु रोग विशेषज्ञ भी पूरी तरह से ठीक नहीं कर पाते हैं। कभी कभी इन सामान्य रोगियों का सही तरह से उपचार ना होने के कारण या किसी अन्य परिस्थिति के कारण यह रोग गंभीर अवास्था भी धारण कर लेते हैं।



- ❖ अप्लास्टिक अनीमिया ❖ सिकल सेल एनीमिया,
- ❖ ब्लड कैंसर ❖ स्पिंडल सेल कार्सिनोमा
- ❖ एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया (एएमएल)
- ❖ नेफ्रोटिक सिंडोम
- ❖ एपिलेप्सी ❖ पॉलिसिस्टिक ओवरी डिजीज
- ❖ हाइपोथायरायडिज्म
- ❖ इंटेस्टाइनल ऑबस्टक्शन
- ❖ मस्कुलर डिस्टोफी
- ❖ स्क्रोट सिस्ट
- ❖ ब्रेन ट्यूमर, आई टी पी (ITP) ऐसी कई गंभीर बीमारियां हैं।

जो छोटे बच्चों से लेकर युवाओं तक में पाई जाती है। शिशु रोग विशेषज्ञ या पीडियाटिक्स एक सीमा तक ही इस तरह की बीमारियों में अपना चिकित्सा परामर्श दे पाते हैं, मगर **डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** ने अपनी 21 सालों की मेडीकल प्रैक्टिस और प्रयासो के आधार पर तैयार की गई **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** से इस तरह के बच्चों से लेकर युवाओं तक कई गंभीर रोगियों को न केवल पूरी तरह स्वस्थ किया है बल्कि वह आज अपना सामान्य जीवन बिना किन्हीं दवाइयों के सहारे जी रहें हैं। देखिए कुछ ऐसी ही विशेष बीमारियों और उन पर **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** से जीत हासिल करने वाले लोगों की चिकित्सा से पूर्व एवं बाद की रिपोर्ट।



शिशु रोग

शिशु रोगों के ठीक हुए विभिन्न रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा से पूर्व बाद की रिपोर्टस और उनके उद्गार

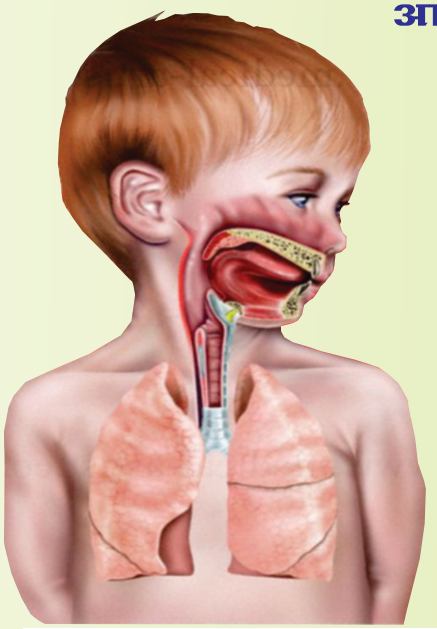

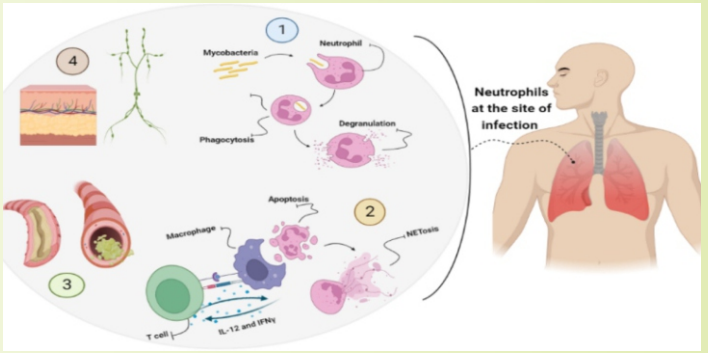

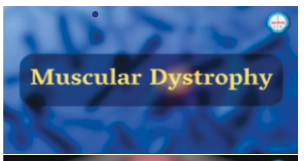



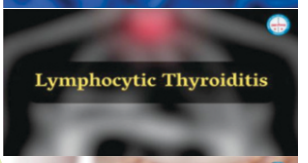





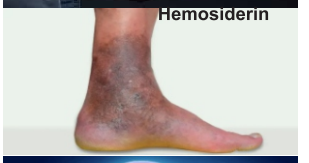

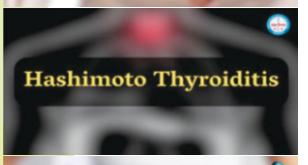



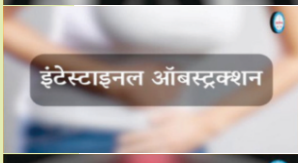



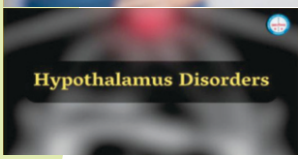



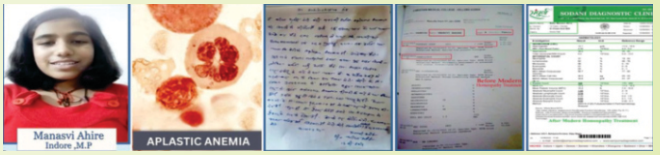

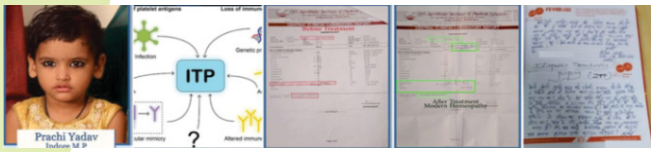

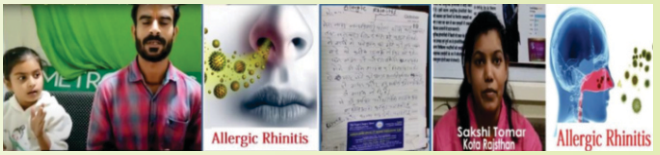

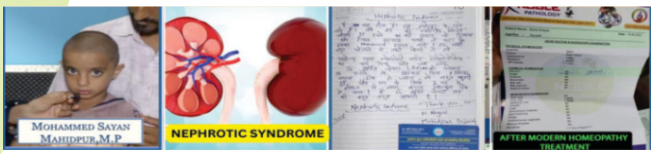

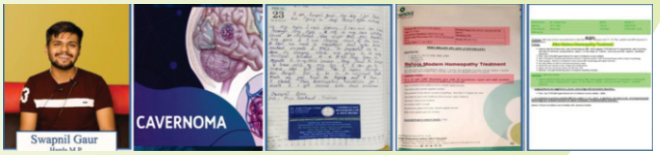

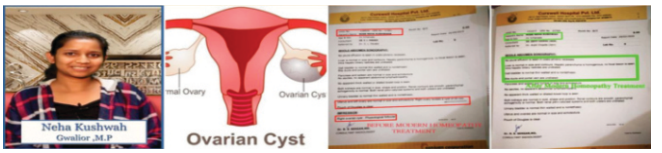

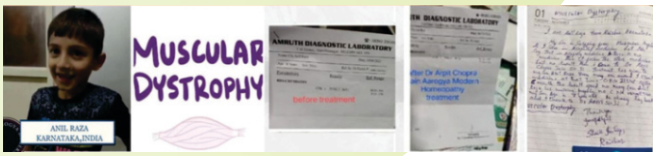

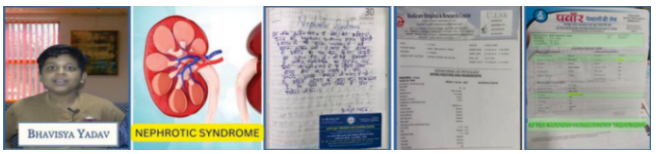

स्पाइनल कॉर्ड संबंधी बीमारियां



आधुनिक जीवनशैली के कारण तेजी से बढ रही हैं, स्पाइनल कॉर्ड संबंधी बिमारियां।

महंगाई ने अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी, कोरोना ने आम आदमी की कमर तोड़ दी, किसान हमारे देश की रीढ़ हैं, ऐसे मुहावरे कमर और रीढ़ की हड्डी को लेकर आपने कई सुने होंगे और हो भी क्यो ना, क्योंकि हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, हमारी रीढ़ की हड्डी, यानी स्पाइनल कार्ड जिसे हम सामान्य भाषा में कमर कहते हैं। और यदि हमारी रीढ़ की हड्डी में ही कोई रोग हो जाए और हमारा शरीर किसी काम करने के लायक ना रहे, ऐसी कोई बीमारी हमें घेर ले, तो इसे हम स्पाइनल कॉर्ड संबंधी बीमारियों की श्रेणी में रख सकते हैं।

एक तरह से कहा जाए तो कमर ही हमारे शरीर की जान है और हमारी रीढ़ की हड्डी को कोई रोग हो जाए तो हमारा जीवन जिंदा लाश की तरह हो सकता है।

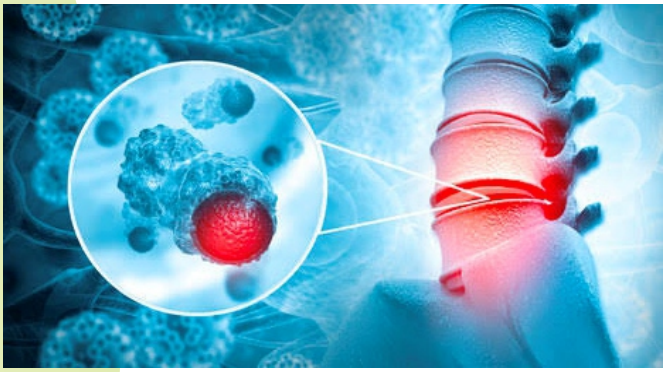

स्पाइनल कॉर्ड संबंधी बीमारियों में प्रमुख रुप से जो बीमारियां पाई जाती है वह हैं- PIVD पी..आई.वी.डी., स्पाइनल स्टोनोसिस, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका, ए.वी.एन. आदि।

जिसके लिए रोगी को एलोपैथी चिकित्सा में लंबे समय तक फिजियोथेरेपी, एंटी–इंफ्लेमेटरी डग्स, बिसफ़ॉस्फोनेट्स जैसी दवाईयां दी जाती है। गंभीर मामलों में जोड़ के पुननिर्माण के लिए, हिप जॉइंट रिप्लेसमेंट की भी सलाह दी जाती है।



कोरोना काल के बाद से, कोविड के साईड इफेक्ट के रुप में एवैस्कुलर नेक्रोसिस की बढ़ती समस्या को देखते हुए तथा अपने पेशेंट्स को स्टेरॉयड और पेन किलर की जटिलताओं और ऑपरेशन की पीड़ा से बचाते हुए, डॉ अर्पित चोपड़ा जैन ने अपनी 21 वर्षों की मेडीकल प्रेक्टिस और अनुभव के आधार पर तैयार किये गए आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी पद्धति कांसेप्ट से इस बीमारी के कई रोगियों को बिना किसी साइड इफेक्ट और किसी परहेज के कुछ ही समय में स्थाई आराम दिलाया है। और उनकी समस्या को जड़ से खत्म किया है।

हमारी रीढ ही हमारे शरीर का मूल आधार है।

स्पाइनल कार्ड संबंधी रोगों के ठीक हुए विभिन्न रोगियों की आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा से पूर्व बाद की रिपोर्टस और उनके उद्गार



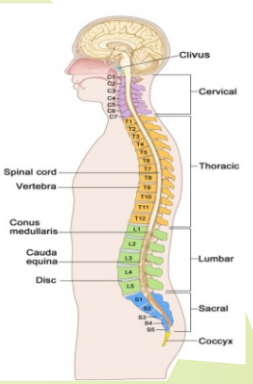

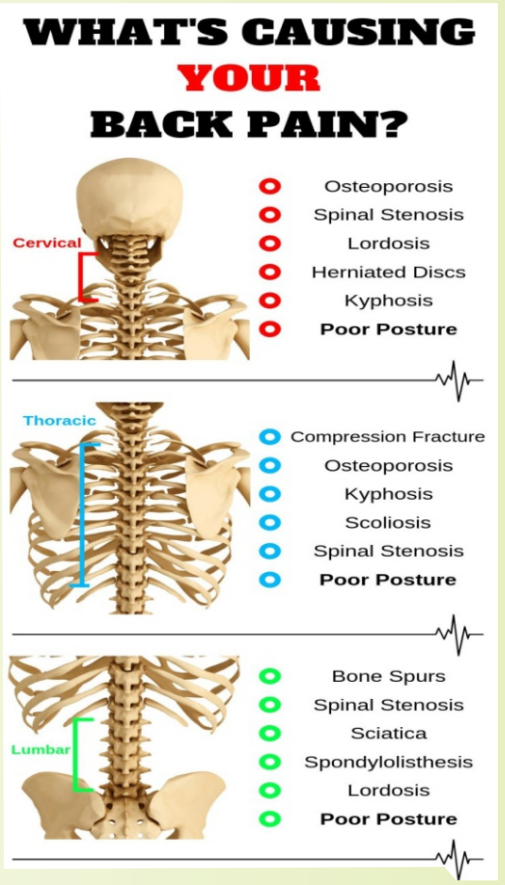



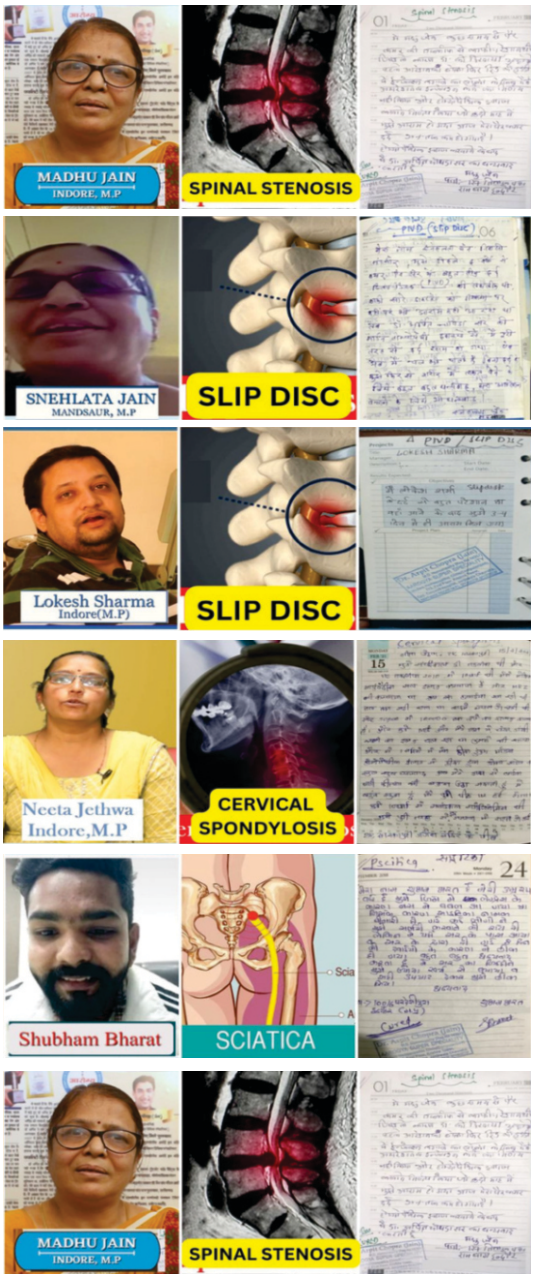

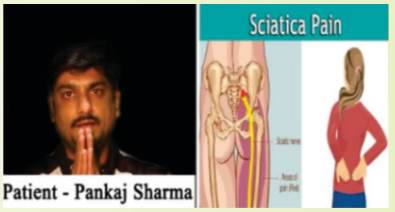





वैस्कुलर डिजीज

अंगों में सही ढंग से खून न पहुंचने पर होती हैं वैस्कुलर डिजीज।

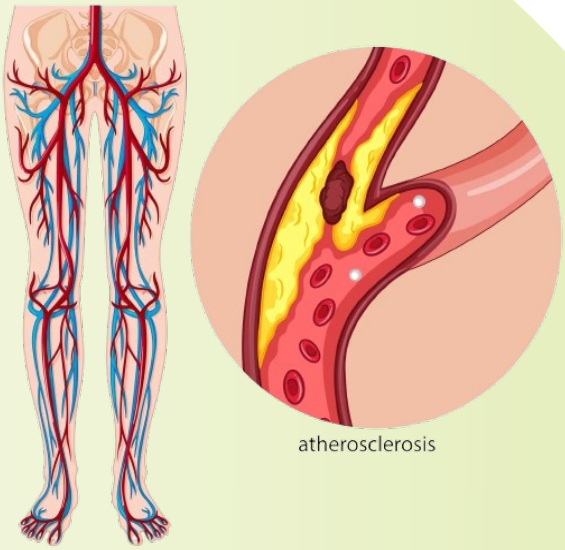
atherosclerosis

शरीर के सर्कुलेटरी सिस्टम में फैट, कोलेस्ट्रॉल और प्लाक जमा होने से वैस्कुलर डिजीज का खतरा बढ़ जाता है।

शरीर में मौजूद रक्त वाहिकाएं (Blood Vessels) मुख्यत तीन प्रकार की होती हैं और इनका काम शरीर में ब्लड या रक्त संचार सर्कुलेट करना होता है। इन रक्त वाहिकाओं में खराबी आने या नुकसान पहुंचाने पर आपके स्वास्थ पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। इन ब्लड वेसल्स का काम फेफड़ों से ऑक्सीजन को भी शरीर के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचाना होता है। ब्लड वेसल्स से जुड़ी बीमारी को वैस्कुलर डिजीज (Vascular Disease) या संवहनी रोग के नाम से जाना जाता है। वैस्कुलर डिजीज होने पर आपको दिल से जुड़ी गंभीर बीमारियों का भी खतरा रहता है। वैस्कुलर डिजीज की वजह से शरीर का सर्कुलेटरी सिस्टम प्रभावित होता है।



वैस्कुलर डिजीज या संवहनी रोग कई तरह के होते हैं और इस बीमारी में दिखने वाले लक्षण भी इसके प्रकार के आधार पर अलग-अलग हो सकते हैं।

- ❖ पैरों में दर्द और ऐंठन ❖ पेट दर्द ❖ मतली ❖ उल्टी ❖ दस्त
- ❖ वजन कम होना ❖ हार्ट फेलियर ❖ किडनी से जुड़ी परेशानियां
- ❖ हाथ-पैर की उंगलियों का रंग बदलना ❖ आंख और गर्दन में दर्द
- ❖ कंधे में दर्द और झुनझुनी ❖ हाथ-पैर ❖ सुन्न होना
- ❖ खांसी के साथ खून आना ❖ सीने में दर्द ❖ सांस लेने में तकलीफ
- ❖ स्किन का रंग लाल होना ❖ हाई ब्लड प्रेशर
- ❖ दिल की धड़कन का अनियमित होना।



वैस्कुलर डिजीज की शुरुआत ब्लड वेसल्स या रक्त वाहिकाओं में खून के थक्के जमने से होती है। लेकिन सिर्फ इसी कारण से यह समस्या नहीं होती है। वैस्कुलर डिजीज के कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार से हैं। हाई कोलेस्टॉल की वजह से वैस्कुलर डिजीज का खतरा। धूम्रपान और तंबाकू का अधिक सेवन। हाई ब्लड प्रेशर या हाइपरटेंशन की समस्या। लंबे समय तक डायबिटीज का शिकार होने पर। गंभीर चोट और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचने पर। आनुवांशिक कारणों से वैस्कुलर डिजीज का खतरा। लंबे समय तक डायबिटीज का शिकार होने पर। गंभीर इन्फेक्शन की वजह से धमनियों को नुकसान। शरीर में खून के थक्के जमने के कारण।

वैस्कुलर डिजीज

एलोपैथी चिकित्सा में अलग-अलग वैस्कुलर बिमारियों के लिए अलग-अलग तरह से पेनकिलर्स एंटीबॉयटिक दवाईयां या स्टेरॉइड्स दिए जाते हैं जिनके लम्बे समय तक सेवन से रोगी को अन्य दुष्परिणाम आने लगते हैं। मगर **प्रोफे. डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** ने अपनी आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा पद्धति से वेस्कुलर डिज़िज सम्बन्धी कई रोगियों को हानिरहित और स्थाई आराम दिलाकर सामान्य जीवन लौटाया है।

अंगों में सही ढंग से खून न पहुंचने पर होती हैं वैस्कुलर डिजीज।









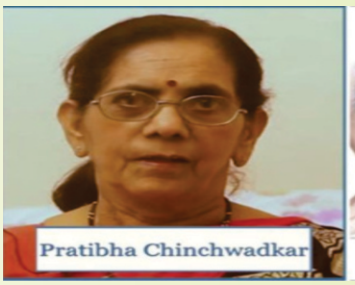







बाँझपन



अपने आंगन में एक स्वस्थ किलकारी हर दंपत्ति का हक़ है।

बाँझपन एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या है जो दुनिया भर में प्रजनन आयु के लाखों लोगों को प्रभावित करती है। उपलब्ध आंकड़ों से पता चलना है कि वैश्विक स्तर पर 48 मिलियन जोड़े (Couples) और 186 मिलियन व्यक्ति (Individuals) बांझपन से पीड़ित हैं। बाँझपन पुरुष या महिला की प्रजनन प्रणाली को प्रभावित करने वाली एक बीमारी है। इससे पीड़ित पुरुष या महिला नियमित रुप से 12 महिने या उससे अधिक समय तक असुरक्षित संभोग करने के बाद भी गर्भवस्था प्राप्त करने में असफल होते हैं। प्राथमिक बांझपन किसी भी गर्भावस्था में असमर्थता है, जबकि माध्यमिक बांझपन पहले सफल गर्भधारण के बाद दोबारा गर्भधारण करने में असमर्थता है।

इनफर्टिलिटी अथवा बांझपन एक आम समस्या बन चुकी है। पारम्परिक रूप से बांझपन की समस्या को अक्सर महिलाओ के साथ जोड़ के देखा जाता है, हालाँकि ऐसा है नहीं। पुरुषों में भी बाँझपन के कई रोगी पाए जाते हैं। अगर कोई जोड़ा निरंतर 12 माह या अधिक समय से संतान प्राप्ति हेतु प्रयास करने पर भी विफल होता है, तो यह इनफटिलिटी की समस्या की और संकेत करती है। ऐसी स्थिति में संतान के इच्छुक माता और पिता दोनों को डाक्टरी परामर्श लेने की आवश्यकता है, ताकि बाँझपन का कारण स्पष्ट हो सके। इनफटिलिटी के निदान से पहले, प्रजनन विशेषज्ञ डॉक्टर, माता तथा पिता की यौन आदतों को समझने का प्रयास करता है ताकि प्राकृतिक रूप से गर्भाधन की संभावनाओं को बेहतर बनाया जा सके। एलोपैथी चिकित्सा में क्लीनिक और फिजीकल टेस्ट की सहायता से मूल समस्या का पता लगाकर अलग-अलग परिस्थियों में अलग-अलग प्रकार के निदान किये जाते है । अंत में सफलता न मिलने पर IVF जैसी महंगी तकनीक का उपयोग भी किया जाता हैं। परन्तु वहीं **डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन** ने अपनी **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा पद्धति** से ऐसे कई हताश निराश और ना उम्मीद निसंतान दम्पतियों को संतान सुख दिया है।



बाँझपन

बाँझपन एक अभिशाप था, परन्तु अब नहीं ...
संतान सुख अब निराश दम्पत्तियों को भी संभव











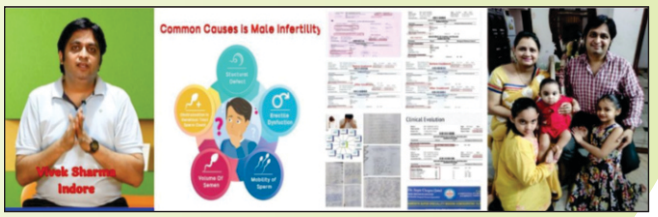

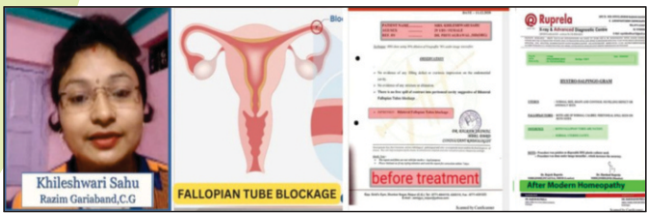

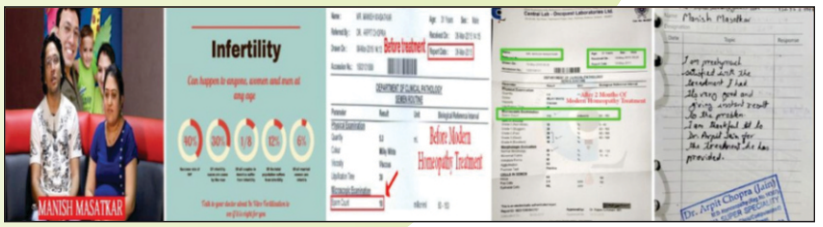



जिम्मेदारी

समाज के हर व्यक्ति को उचित चिकित्सा मिले यह एक चिकित्सक की प्रथम जिम्मेदारी है।

चिकित्सकों के परिवार में पले पढ़े/जन्में **डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** मानव सेवा में अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी वहन कर रहे हैं। जहां आपने अपने प्रयासो से **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** की उन्नत तकनीक से पीड़ित मानवता की सेवा के लिए एक नई दिशा दी है। वहीं समय-समय पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए समाज में अन्य सेवा कार्यो को करना भी अपना नैतिक एवं राष्टीय कर्तव्य समझा है।

जटिल रोगों की चिकित्सा सेवा के साथ ही, भविष्य की होम्योपैथी के लिए आप चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में आने वाले नवागत छात्रों को उचित शिक्षा देकर भी अपना योगदान दे रहे हैं। साथ ही समय-समय पर अलग-अलग जटिल रोगों के निदान के लिए चिकित्सा शिविर आयोजित कर निःशुल्क चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराते हैं। आपने गंभीर कोरोना काल की परिस्थिति में भी, अपनी जिम्मेदारी की गंभीरता को समझते हुए, अपने स्वास्थ्य की परवाह किए बिना, कोरोना वारियर्स सहित लोगों तक कोरोना प्रिवेंशन मेडिसिंन का निःशुल्क वितरण किया। जिससे समाज में कई लोग इस भयावह बीमारी की चपेट में आने से बच सके।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा

सिकल सेल एनीमिया के स्थाई एवं सफल उपचार के लिए
चलाए जा रहे अभियान में भी
मानव जाति के कल्याण के लिए आप अपना हरसंभव
योगदान देने कर प्रयास कर रहे हैं ।



सम्मान अवार्ड

जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन

हम समाज में यदि जिम्मेदारी से अपनी सहभागिता, सही समय पर देते हैं, तो उसे सम्मान तो मिलता ही है।
मगर यह सममान हमारी जिम्मेदारी को और बढ़ा देता है।

ऐसे ही कई सामाजिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों द्वारा प्रोफेसर **डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन** को **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति** के उन्नत तकनीक से तथा अन्य सामाजिक योगदान के लिए अनेक गरिमामय मंच पर कई विशिष्ट मंत्री गण प्रबुद्ध गण एवं वरिष्ठ कलाकारों द्वारा सम्मानित किया गया है।





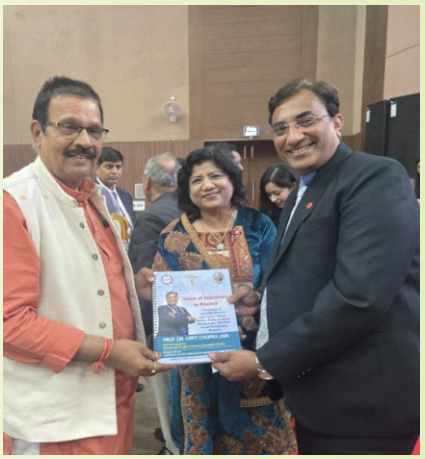







जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन













जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन















जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन



















सम्मान अवार्ड

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा को और अर्पित चोपड़ा जैन जी को मिला अंतर्राष्ट्रीय सम्मान













आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होमियोपैथी चिकित्सा को और अर्पित चोपड़ा जैन जी को मिला अंतर्राष्ट्रीय सम्मान



THE MULTICULTURAL COALITION U.S. PRESIDENTIAL *Inaugural Ball*

November 28, 2024

Dr Arpit Chopra
701 Krishna Regency
Plot 40, Sanpada Vashi Navi
Mumbai India 400705

Mr. Donald Trump
(US President)

Dr Arpit Chopra Jain
(MD Homeopathy)

Dr Arpit Chopra,

On behalf of The Multicultural Coalition U.S. Presidential Inaugural Ball host committee honoring President Elect Donald J. Trump, it is my distinct honor and privilege to extend to you an invitation to our Inaugural Ball celebrating the commencement of the U.S. Presidential Inauguration. This prestigious event will be held on January 20th, 2025, at the Washington Times Building Arbor Ballroom, located at 3600 New York Ave, NE, Washington, DC 20002.

The Inaugural Ball will be a grand occasion, bringing together distinguished guests from various ethnic and professional sectors to celebrate this momentous event. The evening will feature a catered dinner, live entertainment, and an opportunity to engage with esteemed colleagues and dignitaries from around the world.

Your presence at this event would be greatly appreciated, as it would add to the significance and grandeur of the occasion. We look forward to welcoming you and sharing this special evening with you.

Please RSVP by December 20, 2024, to Mr. Aaron T. Managgo at: aaron@mpac.cc or 1+2022438201. Should you have any questions or require further information, do not hesitate to reach out.

We eagerly anticipate your favorable response and look forward to the pleasure of your company at the Inaugural Ball.

Yours sincerely,

Dr. J. Mark Burns
Chairman
Multicultural Coalition Inaugural Ball Committee
mpac.cc/inauguralball





















सम्मान अवार्ड

जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन








डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन ने किया रिसर्च एवं प्रमाणित सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथिक चिकित्सा का अविष्कार





जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन





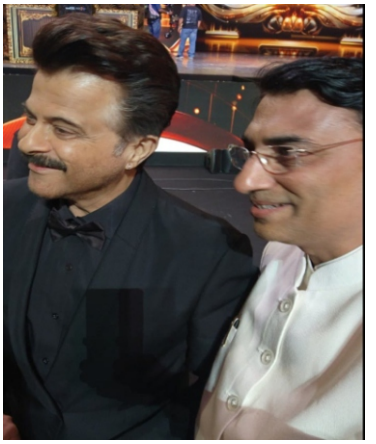



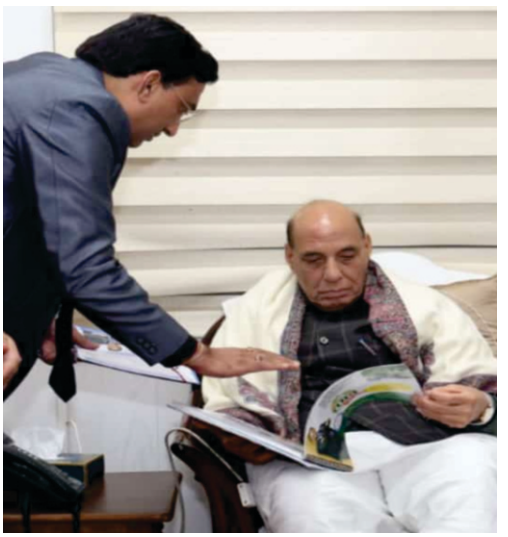





सम्मान अवार्ड

जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन

















जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन





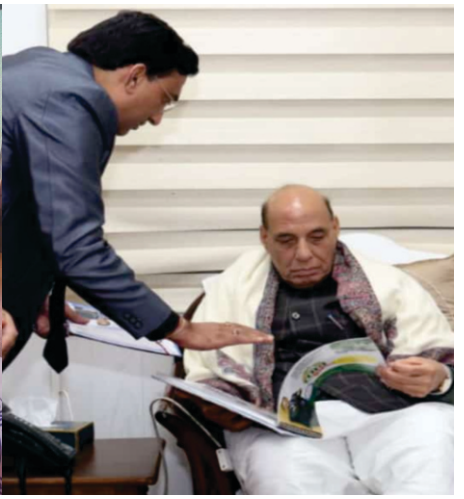









संचार माध्यमों से

संचार माध्यमों से मिली सराहना हमें नया उत्साह, नई ऊर्जा देती हैं।
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन

प्रोफेसर डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन के द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के लिए किए गए कार्यों एवं आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों, न्यूज चैनल एवं अन्य सोशल मीडिया में उचित स्थान प्राप्त हुआ है। हम आभारी हैं समस्त मीडिया जगत के जिन्होने भविष्य की होम्योपैथी को इतना समर्थन दिया।


होम्योपैथी में अनुसंधान और साक्ष्य-आधारित ट्रीटमेंट से भारत के साथ अन्य 19+ देशो में भी पहचान बनाने वाले डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन

अपने शोध या उसके होने वाले बेहतर प्रभाव के कारण कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किये जा चुके हैं। जिनसे कुछ महत्वपूर्ण ये है

International Fame Award 2024 by Sushmita Sen











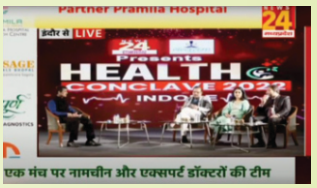


हेल्थ भास्कर

अपनी मेहनत और जुनून से होम्योपैथी को नई पहचान दिला रहे- डॉ. अर्पित चोपड़ा (जैन)

जानिए मॉडर्न होम्योपैथी के अविष्कार से कर रहे जटिल लाइलाज बीमारियों का सफल इलाज, चमत्कारिक परिणाम देखकर सभी हो रहे हैं हैरान

क्वालिटी टीम करती हैं मैंटेन

डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथिक क्लीनिक


पुस्तक का लेखन एवं संपादन वरिष्ठ पत्रकार विजय कौशिक ने किया है

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने किया 'संभव' का विमोचन

खुलासा फर्स्ट... इंदौर

संचार माध्यमों से

संचार माध्यमों से मिली सराहना हमें नया उत्साह, नई ऊर्जा देती हैं।
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन





















सेवा प्रकल्प

चिकित्सा सुविधा हर तरह से आम आदमी की पहुंच में होना चाहिए।
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन



डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन ने अपने इस अनुभव को आम-आम आदमी की पहुंच में रखने की सोच से, भारत में मध्य प्रदेश इन्दौर शहर के मध्य जंजीरवाला चौराहे, 56 दुकान के पीछे, पलासिया पर, अत्याधुनिक सुविधा युक्त **आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न हौम्योपैथिक क्लिनिक** की स्थापना की है। जहाँ पेशेंट को अलग-अलग बीमारियों के लिए, एक ही स्थान पर, एक ही छत के नीचे, परामर्श जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

साथ ही ऑनलाइन पेशेंट के लिए अलग से कंसल्टेंसी रूम बनाकर उन्हें ऑनलाइन परामर्श के साथ कोरियर से दवाई भी डिलीवरी करने की सुविधा यहां उपलब्ध है। यानी गंभीर से गंभीर रोग का इलाज अब घर बैठे संभव हैं।







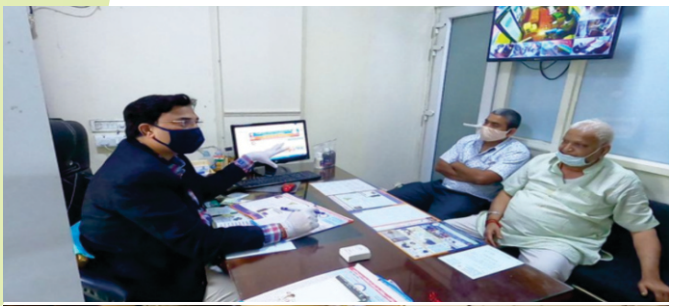





सम्मान अवार्ड

जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन















सेवा प्रकल्प

जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन



GAME CHANGER 2024, INDORE















टीम आरोग्य

टीमवर्क से होता हैं सब असंभव से संभव

खेल प्रतिस्पर्धा हो वैचारिक प्रतिस्पर्धा हो या सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से पीड़ित मानवता की सेवा करना हो, बिना एक मजबूत टीम के संभव नहीं हो सकता।
7 अनुभवी होम्योपैथिक चिकित्सकों, पांच अन्य सहायकों और समाज में इस चिकित्सा पद्धति के अवेयरनेस और जागरूकता लाने के लिए पृथक से 5 लोगों की टीम अपनी पूरी मेहनत लगन और निष्ठा से विगत कई वर्षों से डॉ. अर्पित चोपडा जैन के साथ जुटी हुई है।
इसी का सुपरिणाम है कि लगभग 3000 से अधिक विभिन्न गंभीर असाध्य एवं लाइलाज बीमरियों के हजारों रोगी ठीक होकर आज अपना सामान्य स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन जी रहे हैं।





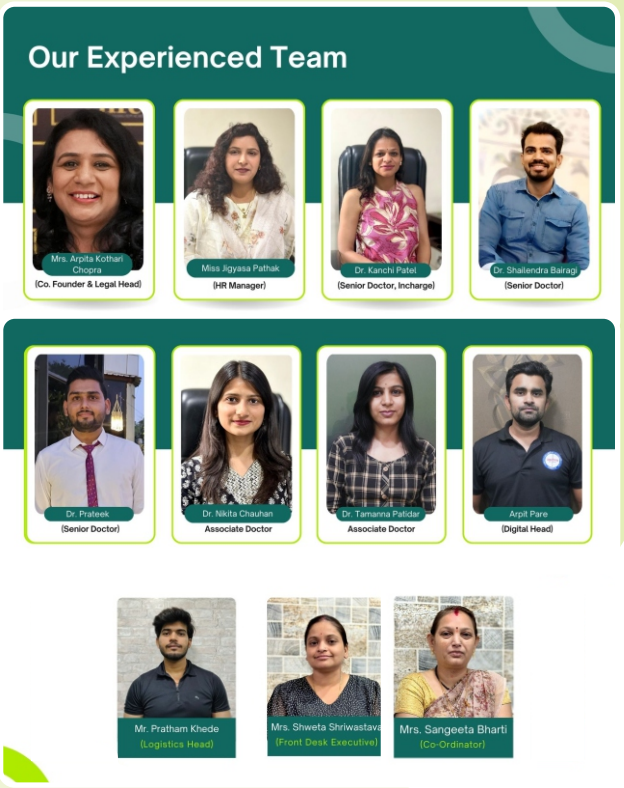





असंभव से संभव

टीम से बनती है ताकत, गुणवत्ता से मिलता है विश्वास

गुणवत्ता केवल दवाओं में ही नहीं, बल्कि व्यवहार और सेवा में भी झलकती है, एक सफल टीम वही होती है जहाँ हर सदस्य अपनी भूमिका को पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी से निभाता है।दवाओं की सही गुणवत्ता बनाए रखना, समय पर सेवा देना और मरीजों की जरूरतों को समझना—ये सभी बातें मिलकर एक उत्कृष्ट स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करती हैं; और यह केवल एक व्यक्ति का कार्य नहीं, बल्कि एक मजबूत टीम की सामूहिक जिम्मेदारी होती है तथा हर परिस्थिति में मरीज की भलाई को सर्वोपरि रखना।
यही भावना एक सामान्य कार्य को महान सेवा में बदल देती है। जब टीमवर्क, गुणवत्ता और सेवा समर्पण एक साथ आते हैं, तब कोई भी असंभव काम संभव बन जाता है।



सेवा प्रकल्प

जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन
















Scientist of Homeopathic Medicine - Dr Arpit Chopra Jain









सम्मान अवार्ड

जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन











सम्मान अवार्ड

जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन

















जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन

























सम्मान अवार्ड

जिम्मेदारी को और बढ़ाता है समाज से मिला सम्मान
डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन







DR. ARPIT CHOPRA JAIN

BCMF – REPRESENTATIVE OF HOMEOPATHIC MEDICINES

TEAM BCMF

"United in diversity, we bridge cultures, empower voices, and pave the way for a peaceful and prosperous world."



DR. SERGEY DVORYANOV

VP & DIRECTOR OF COMMUNICATIONS, BCMF



DR. ARPIT CHOPRA JAIN

BCMF – REPRESENTATIVE OF HOMEOPATHIC MEDICINES



DR. JAAN NISSAR LONE

GLOBAL PRESIDENT OF BRICS CULTURE MEDIA FORUM



ABDULRESHID ZELIMKHANOV



HON. KONSTANTIN KRYLOV

bricsculturemediaforum.com



VAKIL KHURSHIDW



VICENTE BARRIENTOS



RUSTAM SHAPTUKAEV



ZAREMA CHINKHOEVA

GENERAL DIRECTOR OF LLC "ACCEXPO"



BISLAN VISAMBIEV

HEAD OF INNOVATION PROJECTS OF ZAYED FUND



ALEXEY TROFIMOV



ROMAN KHUDYAKOV

VICEDIRECTOR OF DEVELOPMENT RELATION, PROJECT TECHNOLOGIES



EKATERINA RUBLEVA

SOCIAL AND POLITICAL FIGURE; JOURNALIST



SERGEI SHURYGIN

DIRECTOR, PROMISING INITIATIVES



ZAREMBA ALEXANDER



EKATERINA VELICHKINA



NATALYA TINGAEVA



SUNIEL SHETTY

ACTOR, INDIA



DENIS VON MECK

DIRECTOR OF INTERNATIONAL MUSIC COLLABORATIONS



VLADIMIR KHMELEV

BCMF – MEDIA ADVISOR



NATALIA RYAZANTSEVA

DIRECTOR OF REGIONAL RELATIONS AT RNE



YURI ROZUM

DIRECTOR OF THE MUSIC ADVISORY COUNCIL

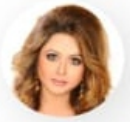

RANI HAZARIKA

BCMF – BRICS CULTURAL AMBASSADOR FOR



DR. TINGAEVA NATALI



HON. KONSTANTIN KRYLOV



ASHISH DEEP VERMA

डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन बने BRICS में होम्योपैथिक चिकित्सा के आधिकारिक प्रतिनिधि










EXCLUSIVE
भारत सम्मान

8


पत्रिका
जटिल, असाध्य बीमारियों के सुपर स्पेशिलिटी मॉर्डन होम्योपैथी डॉ. अर्पित चोपड़ा (जैन) के इलाज को मुख्य मंत्री से मिला सर्वोच्च सम्मान
डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन, मॉर्डन होम्योपैथी
होम्योपैथी के लिए लोगों को कर रहे जागरूक
मॉर्डन होम्योपैथी इलाज कर बढ़ाया लोगों का विश्वास
असाध्य रोगों का इलाज भी संभव है होम्योपैथी से
मरीजों की उम्मीद लौटाना जरूरी
3,000 से ज्यादा लाभांवित मरीजों की रिपोर्ट यू-ट्यूब एवं वेबसाईट पर उपलब्ध
Complete Cure Easy, safe, Fast & Cost Effective

9


आरोग्य सुपरस्पेशलिटी आधुनिक
होम्योपैथिक क्लिनिक, इंदौर

8


CENTRAL INDIA BUSINESS LEADERS
SUMMIT

9



सेवा प्रकल्प Infrastructure

चिकित्सा सुविधा हर तरह से आम आदमी की पहुंच में होना चाहिए - डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन

प्रोफेसर डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन ने अपने इस चमत्कारी अविष्कार को आम आम आदमी की पहुंच में रखने की सोच से, इंदौर शहर के मध्य जंजीरवाला चौराहे पर, अत्याधुनिक सुविधा युक्त आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी क्लीनिक की स्थापना की है। जहां पेशेंट को अलग-अलग बीमारियों के लिए, एक ही उत्थान पर, एक ही छत के नीचे, परामर्श जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

साथ ही ऑनलाइन पेशेंट के लिए अलग से कंसल्टेंसी कक्ष बनाकर उन्हें ऑनलाइन परामर्श के साथ कोरियर से दवाई भी हितग्राही करने की सुविधा यहां उपलब्ध है। यानी गंभीर से गंभीर रोग का इलाज अब घर बैठे संभव है।



जिम्मेदारी Liabilities

समाज के हर व्यक्ति को उचित चिकित्सा मिले यह एक चिकित्सक की प्रथम जिम्मेदारी है - डॉ अर्पित चोपड़ा जैन

चिकित्सकों के परिवार में पले बढ़े डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन मानव सेवा में अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी वहन कर रहे हैं।

जहां आपने अपनी विशेष से सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा का आविष्कार कर, पीड़ित मानवता की सेवा के लिए एक नई दिशा दी है। वहीं समय-समय पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए समाज में अन्य सेवा कार्यों को करना भी अपना नैतिक एवं राष्ट्रीय कर्तव्य समझा है।

कोरोना वायरस से रोकथाम के लिए होम्योपैथिक दवा का वितरण

जटिल रोगों की चिकित्सा सेवा के साथ ही, भविष्य की होम्योपैथी के लिए आप चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में आने वाले नवागत छात्रों को उचित शिक्षा देकर भी अपना योगदान दे रहे हैं। साथ ही समय-समय पर अलग-अलग जटिल रोगों के निदान के लिए चिकित्सा शिविर आयोजित कर निःशुल्क चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराते हैं। आपने गंभीर कोरोना काल की परिस्थिति में भी, अपनी जिम्मेदारी की गंभीरता को समझते हुए, अपने स्वास्थ्य की परवाह किए बिना, कोरोना वारियर्स जनित लगभग 225000 तथा दो लाख लोगों तक कोरोना चिकित्सा मेडिसिन का निःशुल्क वितरण किया। जिससे समाज में कई लोग इस महामारी की चपेट में आने से बच सके।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मध्य प्रदेश के **मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान** द्वारा सिकल सेल एनीमिया के रुकाई एवं उन्मूलन उपचार के लिए चलाए जा रहे अभियान में भी आदिवासी क्षेत्रों में सेवा कर मानव जाति के कल्याण के लिए आप अपना हरसंभव योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं।







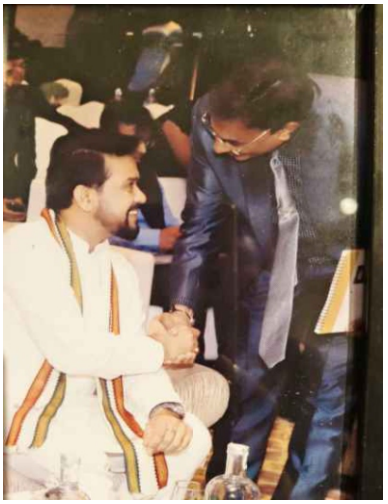











असम्भव से
सम्भव का
प्रयास...



धन्यवाद !

जटिल लाइलाज असाध्य एवं असंभव रोगों के संभव समाधान।

हानि रहित, त्वरित, किफायती एवं स्थाई चिकित्सा पद्धति, भविष्य की होम्योपैथी,

सुपर स्पेशलिटी मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को

आपका अमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद।

आप सदैव शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक रूप से स्वस्थ रहकर आनंदित
जीवन व्यतीत करें एवं डब्ल्यूएचओ की मान्यताओं को पूरा करें -
यही कामना, यही प्रयास ...

प्रोफेसर डॉक्टर अर्पित चोपड़ा जैन

एमडी, होम्योपैथी, क्रिटीकल एवं सर्जिकल डिसिज स्पेशलिस्ट, आधुनिक होम्योपैथी के संस्थापक एवं प्रचारक

BRICS के अधिकारिक होम्योपैथिक प्रतिनिधि

आरोग्य सुपर स्पेशलिटी मॉर्डन होम्योपैथीक क्लिनिक

101-104, प्रथम मंजिल, कृष्णा टावर, क्योरवेल हॉस्पिटल के सामने,
जंजीरवाला चौराहा, न्यू पलासिया, इन्दौर (म.प्र.)

www.aarogyahomoeopathyindore.com
www.homoeopathycure.in
besthomoeopapathtdoctorind.com

email : arpitchopra23@gmail.com,
aarogyamodernhomeopathy@gmail.com

You Tube Link - drarpitchopramodernhomeopathic

@ 99075-27914, 79999-78894
@ 97130-92737, 97130-37737

instagram.com/aarogyahomoeopathy

aarogya101

www.aarogyahomoeopathyindore.com



Dr. Arpit Chopra Jain